भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो समाज सवाल पूछना छोड़ देता है, वह धीरे-धीरे जवाब भी खो देता है। लोकतंत्र की असली ताकत शोर में नहीं, सच बोलने की हिम्मत और सुनने की सहनशीलता में होती है। संवेदनशील और उत्तरदायी होंगे, तो साधन अपने आप साध्य बन जाएंगे। लेकिन यदि नीयत दूषित होगी, तो सबसे पवित्र वस्तु भी हथियार बन जाएगी।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-48 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 7 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

वस्तु नहीं, दृष्टि तय करती है दिशा

'अच्छाई और बुराई वस्तु में नहीं, कर्म में होती है–कोई बांस से तीर बनाता है तो कोई उसी से बांसुरी। ' यह पंक्ति केवल एक सुंदर कथन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक दर्शन का सार है। यह हमें बताती है कि किसी भी वस्तु, संसाधन या शक्ति का मूल्य उसके अस्तित्व में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की नीयत और उद्देश्य में छिपा होता है। यही विचार आज के समाज, राजनीति, शिक्षा, तकनीक और संस्कृति–सभी क्षेत्रों में गहरे आत्ममंथन की मांग करता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।। इतिहास साक्षी है कि एक ही वस्तु ने मानवता को बचाया भी है और नष्ट भी किया है। आग से भोजन पकाया गया, जीवन सरल हुआ; उसी आग से युद्ध जले, सभ्यताएं राख हुईं। परमाणु ऊर्जा से बिजली बनी, चिकित्सा में क्रांति आई; उसी ऊर्जा से हिरोशिमा-नागासाकी तबाह हुए। स्पष्ट है–वस्तु निर्दोष होती है, दोषी होता है उसका उपयोगकर्ता।

आज के समय में यह कथन और भी प्रासंगिक हो जाता है। तकनीक को ही देखिए। मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया–ये सभी साधन ज्ञान, संवाद और जागरूकता के अद्भुत माध्यम बन सकते हैं। लेकिन वही तकनीक अफवाह, नफरत, अश्लीलता और मानसिक गुलामी का औजार भी बन रही है। प्रश्न यह नहीं है कि मोबाइल अच्छा है या बुरा, प्रश्न यह है कि हम उससे तीर बना रहे हैं या बांसुरी। यही बात राजनीति और सत्ता पर भी लागू होती है। सत्ता अपने आप में न तो कल्याणकारी है, न विनाशकारी। सत्ता वह बांस है, जिससे कोई जनकल्याण की बांसुरी बजा सकता है–शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय और समानता की धुन छेड़ सकता है; और कोई उसी सत्ता से दमन, भय और विभाजन के तीर चला सकता है। दुर्भाग्य यह है कि आज सत्ता का उपयोग अक्सर तीर की तरह अधिक और बांसुरी की तरह कम किया जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था भी इस विचार की कसौटी पर खरी उतरती है। शिक्षा ज्ञान का साधन है, लेकिन जब वही शिक्षा केवल अंक, डिग्री और प्रतियोगिता का हथियार बन जाए, तो वह समाज को संवेदनशील नहीं, स्वार्थी बनाती है। शिक्षक वही बांस रखते हैं–लेकिन कोई उससे चरित्र निर्माण की बांसुरी बनाता है, तो कोई केवल परीक्षा पास कराने का तीर। आज आवश्यकता है कि शिक्षा को कर्म प्रधान बनाया जाए, जहां ज्ञान का प्रयोग मानवता के लिए हो।

धर्म और आस्था भी इसी श्रेणी में आते हैं। धर्म मूलतः नैतिकता, करुणा और सह-अस्तित्व का पाठ पढ़ाता है। लेकिन जब वही धर्म सत्ता, राजनीति और हिंसा का औजार बन जाता है, तो बांसुरी की जगह तीर चलने लगते हैं। तब धर्म मानव को जोड़ने की बजाय तोड़ने लगता है। यह दोष धर्म का नहीं, धर्म के नाम पर किए गए कर्मों का है। समाज में अक्सर हम वस्तुओं, प्रतीकों और व्यक्तियों को दोषी ठहराने में जल्दी कर देते हैं, लेकिन अपने कर्मों की जिम्मेदारी लेने से बचते हैं। हम कहते हैं– 'युवा बिगड़ गए हैं ', 'तकनीक खराब है ', 'समय ही ऐसा है।' पर सच यह है कि समय वही होता है, जैसा हम उसे बनाते हैं। युवा वही सीखते हैं, जो हम सिखाते हैं। तकनीक वही करती है, जो हम उससे करवाते हैं। इस विचार का सबसे बड़ा संदेश आत्ममूल्यांकन है। हमें बार-बार खुद से पूछना चाहिए–हम अपने हाथ में आई शक्ति, अवसर और संसाधनों से क्या बना रहे हैं? क्या हम संवाद की बांसुरी बजा रहे हैं या घृणा के तीर गढ़ रहे हैं? क्या हम अपने शब्दों से मरहम लगा रहे हैं या जख्म दे रहे हैं? आज जब समाज में असहिष्णुता, कटुता और जल्दबाजी बढ़ रही है, तब इस कथन की रोशनी में रुककर सोचना जरूरी है। अच्छाई और बुराई बाहर नहीं, हमारे भीतर जन्म लेती है। वही बांस किसी के हाथ में संगीत बन जाता है और किसी के हाथ में हिंसा। फर्क हाथ का नहीं, मन का है।

अंततः, यह संपादकीय किसी वस्तु, तकनीक या व्यवस्था के खिलाफ नहीं, बल्कि विवेक के पक्ष में है। यदि हमारे कर्म मानवीय, संवेदनशील और उत्तरदायी होंगे, तो साधन अपने आप साध्य बन जाएंगे। लेकिन यदि नीयत दूषित होगी, तो सबसे पवित्र वस्तु भी हथियार बन जाएगी। समाज को आज तीर नहीं, बांसुरी चाहिए–ऐसी बांसुरी, जो संवाद, करुणा, न्याय और शांति की धुन बजा सके। और यह तभी संभव है, जब हम यह स्वीकार करें कि अच्छाई और बुराई हमारे कर्मों में बसती है, वस्तुओं में नहीं।

जिस देश को हमने बनाया, वही आज खिलाफः गहलोत

बांग्लादेश में हिंदुओं पर बर्बरता को बताया केंद्र की कूटनीतिक विफलता

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ हो रही बर्बरता की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पीएम मोदी से हस्तक्षेप करने की मांग की है। गहलोत ने एक्स पर लिखा- बांग्लादेश से आ रही हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ बर्बरता की खबरें विचलित करने वाली हैं। महज 19 दिनों में 5 हिंदुओं की हत्या और वहां महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार मानवता पर कलंक है।

जिसका निर्माण भारत ने किया वो ही देश आज भारत के खिलाफ

गहलोत ने लिखा- यह भी चिंताजनक है कि ऐसा देश जिसका निर्माण ही भारत ने किया था वह भारत के खिलाफ हो गया है। यह भारत सरकार की कूटनीतिक विफलता है। केंद्र सरकार को गहरी चिंता व्यक्त करने जैसे रस्मी बयानों से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने चाहिए। पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के जीवन और मान-सम्मान की रक्षा करना हमारी नैतिक और कूटनीतिक जिम्मेदारी है।

भाजपा सरकार में कोई जवाबदेही नहीं बची

उन्होंने आगे भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए लिखा- भाजपा सरकार सिर्फ प्रचार और खुद की वाहवाही करने के लिए विज्ञापनों पर करोड़ों रुपए बहा रही है। करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद जनता पूछ रही है कि आखिर क्या परिणाम निकला ? इस सरकार में कोई जवाबदेही नहीं बची है। आखिर कब तक प्रदेश की जनता के पैसे को ऐसे उड़ाया जाता रहेगा और इसकी जवाबदेही कब तय होगी?

राइजिंग राजस्थान-प्रवासी राजस्थानी दिवस का नाटक हो चुका फेल

गहलोत ने डिजिफेस्ट समिट को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। गहलोत ने लिखा- राजस्थान में आज प्रशासनिक और सरकारी अराजकता का आलम यह है कि न कहने वाला है न देखने वाला है। प्रदेश की जनता के हक के पैसे की ऐसी बर्बादी पहले कभी नहीं देखी गई।

इनको पूछो, आखिर जनता को क्या मिला ? राइजिंग राजस्थान और प्रवासी राजस्थानी दिवस का नाटक फेल हो चुका है। इनमें निवेशक नदारद दिखे। खेलो इंडिया गेम्स में खिलाड़ियों की दुर्दशा हुई और न प्रतिभागी आए न ही दर्शक। अब डिजिफेस्ट में अव्यवस्थाओं का बोलबाला रहा।

भीम सेना संस्थापक एडवोकेट अनिल तिड़दिया का जन्मदिवस सेवा कार्य के रूप में मनाया

42 वें जन्मदिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में 74 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

भीम प्रज्ञा न्यूज़ सीकर।

भीम सेना के संस्थापक एडवोकेट अनिल तिड़दिया के 42वें जन्मदिवस के अवसर पर प्रधान जी का जाव, सीकर में रक्तदान शिविर एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हर वर्ष की भांति इस बार भी सेवा कार्य के रूप में किया गया। कार्यक्रम संयोजक घनश्याम वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर का शुभारंभ भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में सीकर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेंद्र पारीक, भीम सेना प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र सरपंच, कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनीता गठाला, उपसभापति अशोक चौधरी, उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल, कांग्रेस किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र गठाला, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकुल खीचड़ तथा अनुसूचित जाति विभाग प्रदेश सचिव सुरेंद्र महिचा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में कुल 74 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों द्वारा एडवोकेट अनिल तिड़दिया का 45 मीटर लंबा साफा पहनाकर सम्मान किया गया तथा 42 किलो लड्डुओं से बने केक को काटकर उन्हें बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी गईं।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि एडवोकेट अनिल तिड़दिया का जन्मदिवस प्रतिवर्ष समाजसेवा, रक्तदान एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाना युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजेश सैनी, अजाक जिला अध्यक्ष सुरेश वर्मा, भागीरथ सिंह पालीवाल, शिवभगवान सारड़ीवाल, कैलाशचंद मीणा, सज्जन कुमावत, अमोलक कुमावत, युवा नेता यश जलधारी, एडवोकेट अभिषेक माथुर, एडवोकेट हरीश मिश्रा, एडवोकेट महेश जाखड़, एडवोकेट प्रकाश पारीक, एडवोकेट विजय चाहिल, एडवोकेट पूनम माथुर, एडवोकेट अनीता बराला, एडवोकेट सुनील शर्मा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक संगठनों, सर्व समाज सेवा समिति एवं विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने सहभागिता निभाई और रक्तदान को बढ़ावा दिया। अंत में एडवोकेट अनिल तिड़दिया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, रक्तदाताओं एवं सहयोगियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुहानियां का बोर्ड परीक्षा केंद्र हटाने पर ग्रामीणों का आक्रोश

स्कूल गेट पर ताला लगाकर किया विरोध, केंद्र यथावत रखने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बुहाना।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुहानियाँ के कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा केंद्र को तोड़कर श्यामपुरा मैनाना स्थानांतरित किए जाने के निर्णय से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। इसी के विरोध में सरपंच बिलु सेठ एवं डेलीगेट हवासिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों व नवयुवक मंडल ने विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में सतीश, सज्जन, बाबा धर्मदास, बहादुर, सुरेंद्र फौजी, बलवान पंच, जख्मी पंच, शक्तिसिंह, विजय भान जी, राजू, जगदीश, सूबे कंवर सिंह, नफे पंच, चरणसिंह, रामबीर सेठ, दिनेश फौजी, लालाराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समस्त नवयुवक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से मांग की कि पुहानियाँ विद्यालय में पर्याप्त छात्र संख्या, मूलभूत संसाधन एवं लंबे समय से चला आ रहा प्राचीन परीक्षा केंद्र मौजूद होने के बावजूद केंद्र को हटाना न्यायसंगत नहीं है। इससे विद्यार्थियों को दूरस्थ गांव श्यामपुरा मैनाना जाना पड़ेगा, जिससे समय, साधन और सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न होंगी। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक बोर्ड परीक्षा केंद्र को पुनः पुहानियां विद्यालय में यथावत नहीं किया जाता, तब तक विरोध आंदोलन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने कहा कि यह केवल एक विद्यालय का मुद्दा नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न है, जिसे प्रशासन को संवेदनशीलता से हल करना चाहिए। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर जनभावनाओं का सम्मान करते हुए परीक्षा केंद्र को पुनः पुहानियां में बहाल करने की मांग की।

अभिभाषक संघ बुहाना के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बुहाना।

न्यायिक मजिस्ट्रेट तुषार विश्नोई रहे मुख्य अतिथि

अभिभाषक संघ बुहाना के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार, को गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायिक मजिस्ट्रेट तुषार विश्नोई रहे, जिन्होंने संघ के नवचयनित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर चौधरी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपखंड अधिकारी पूनम मीणा, अपर लोक अभियोजक APP) सतीश बलवदा एवं पवन अटारिया, निर्वाचन अधिकारी रामस्वरूप यादव, राकेश अहलावत, सुधीर रागेय एवं कृष्ण कुमार सैनी उपस्थित रहे।न्यायिक मजिस्ट्रेट तुषार विश्नोई ने अध्यक्ष कुलदीप सिंह कुल्हार, उपाध्यक्ष संजय जांगिड, सचिव सीताराम सैनी,

संयुक्त सचिव भवानी सिंह, कोषाध्यक्ष अनूप यादव तथा पुस्तकालयाध्यक्ष मनोज कुमावत को शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में अधिवक्ताओं से न्यायिक व्यवस्था की गरिमा बनाए रखते हुए ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन नरेश भारद्वाज ने किया। समारोह में राजेन्द्र यादव, जगदेव यादव, मुकेश चौधरी, राकेश अहलावत, सत्यवीर गजराज, अशोक यादव, बाबूलाल भूरिया, विजयपाल यादव, राजेश यादव (पाथरौली), संदीप यादव (कलाखरी), सुरेन्द्र पिठौला, सुरेन्द्र यादव (मानपुरा), गुलशन डांगी, विकास मिश्रा, रमेश योगी, परविन्द्र शेखावत, प्रवीष गौड सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह का समापन नव-निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाओं एवं न्यायिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ।

शीतलहर के चलते कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 7 से 10 जनवरी तक अवकाश घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

जिले में शीतलहर एवं अत्यधिक ठंड के प्रकोप को देखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 7 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक अवकाश घोषित किया है। जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किये है। यह अवकाश केवल छात्र-छात्राओं के लिए लागू रहेगा। कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाएं पूर्ववत संचालित होंगी तथा विद्यालयों का समस्त स्टाफ विभागीय नियमानुसार विद्यालय में उपस्थित रहकर कार्य करेगा। जिला प्रशासन ने जिले के सभी संस्था प्रधानों को निर्देशित किया है कि आदेश की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए। आदेश की अवहेलना कर अवकाश अवधि में कक्षा संचालन पाए जाने पर संबंधित संस्था प्रधान के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत घराडाना खुर्द (झुन्झुनू)

क्रमांक/लेखा/25-26/02- दिनांकः- 5/01/2026

ई-निविदा सूचना-02/2025-26

ग्राम पंचायत घराडाना खुर्द में स्वीकृत कार्य को सम्पादित करने हेतु राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के विभागों मे पंजीकृत एंव अधिकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से पंचायत राज नियम 181 (1) के अन्तर्गत ई संकर्म निविदाए (Work Tender) आमन्त्रित की जाती है । कार्यों का विवरण ग्राम पंचायत घराडाना खुर्द कार्यालय एंव http//eproc.rajasthan.gov.in व http//sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। जिसके NIB No ZJU2526 A0641 तथा BN No ZJU2526WSOB 01138 है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत घरड़ाना खुर्द
प.स. सिंघाना, जिला झुंझुनूं

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत घरड़ाना खुर्द ,

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के लिए सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने बैठक बुलाकर अधिकारियों को दिए निर्देश शीतलहर के चलते अस्पतालों में व्यवस्था करने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । जिले में चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर ने मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक बुलाकर कर सुधार के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने शीतलहर के चलते वार्डो में भर्ती मरीजों के लिए गर्म कम्बल, हीटर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही सर्दी रोकथाम के लिए खिड़कियों में पर्दे लगाने और टूटे खिड़की दरवाजों आदि को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ ने सभी प्रभारियों संस्थान पर शीत लहर के उपचार के लिए आवश्यक दवाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल

में शीतलहर से बचाव के उपाय बताकर जागरूक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि रेन बसेरों में टीम बनाकर भेजे और रेन बसेरों में रहने वालों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं उपलब्ध करवाए और उनकी लाइन लिस्ट अपने पास सुरक्षित रखे रिपोर्ट मुझे भिजवाए। सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने बीसीएमओ को निर्देश दिए कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के पालना में भविष्य में पोस्टमॉर्टम और एमएलसी रिपोर्ट ऑनलाइन मेडलीपार पोर्टल के माध्यम से ही करवाए ऐसा नहीं करने वाले संस्थानों के प्रभारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने लाडो योजना में भुगतान में पेंडेंसी वालों ब्लॉक को चेतावनी देते हुए तत्काल टीम बनाकर लाभार्थियों के आवश्यक दस्तावेज जो डिलीवरी के समय उपलब्ध नहीं करवाए थे उन्हें मंगवाकर भुगतान करवाए। टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग के टीम भेजकर सर्वे करवाए और कोई भी मरीज निक्षय पोषण किट से वंचित नहीं रहना चाहिए। सीएमएचओ ने निर्देश दिए कि ओपीडी में आने वाले मरीजों को आभा आई डी बनाने के लिए प्रेरित करें। बीसीएमओ अपने अधीन सभी संस्थाओं का बायोमेडिकल रजिस्ट्रेशन आवश्यक रूप से करवाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि दिव्यांग सर्टिफिकेट के लिए किसी दिव्यांग को परेशान न होना पड़े सीएचसी एस डी एच डीएच में इस संबंध में निर्देश देकर निगरानी करें। उन्होंने बीसीएमओ को अपने अधीन कण्डम भवनों को जमीदोश करवाने के निर्देश दिए। बैठक में आरसीएचओ डॉ दयानंद सिंह, डिप्टी सीएमएचओ बी एल सर्वा, डीटीओ विजय कुमार, सभी जिला अस्पताल एवं उप जिला अस्पताल पीएमओ एवं सभी बीसीएमओ मौजूद रहे।

आमजन में उम्मीद की लौ जलाने में कामयाब रही मोदी सरकार

मनोज कुमार अग्रवाल

पीएम मोदी का संकल्प है कि स्वतंत्रता के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनाना और विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना है। इस संकल्प की पूर्ति में सभी प्रदेश सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है।

आजादी के 77 साल में यदि भारत के विकास क्रम की समीक्षा की जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्षों का कार्यकाल यकीनन पिछले साढ़े छह दशक पर भारी है। मोदी सरकार ने देश के विकास की एक नयी लकीर खींची है। नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिये समर्पित रहा है। यह समय अनूठा, अद्भुत और अकल्पनीय है। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व में मान, सम्मान और श्रेष्ठ स्थान प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा देश की बहुआयामी प्रगति, समृद्धि और सम्मान की यात्रा है। इसमें एक ओर भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना है, देश का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़ा है और भारत अब डिफेंस इम्पोर्टर से एक्सपोर्टर बन गया है। वहीं 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान का मंत्र दिया। उन्होंने इन्हीं चार स्तंभों के समग्र विकास से वर्ष 2047 तक विकसित भारत निर्माण का मार्ग बताया।

प्रधानमंत्री जी की नीतियों और निर्णयों ने नये आत्मनिर्भर भारत निर्माण को गति दी है। 11 वर्ष पूर्व पूर्व पीएम मोदी ने संसद की सीड़ियों को नमन करके जो संकल्प व्यक्त किये थे, उनमें उनकी भावी यात्रा के साथ नये भारत निर्माण के संकेत भी थे। उन्होंने निरंतर अपने संकल्पों की सिद्धि के साथ देश को आगे बढ़ाया है और राष्ट्र तथा समाज के उत्थान के लिए अभूतपूर्व निर्णय लिये हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, भारत में नागरिकता कानून (सीएए) बनाने, तीन तलाक जैसे अमानवीय कानून को समाप्त करने, वक्फ संपत्ति का मुस्लिम समाज के कल्याण में उपयोग के लिए वक्फ संशोधन विधेयक कानून लाने जैसे निर्णय प्रधानमंत्री जी की संकल्प शक्ति से ही संभव हुए हैं। उनका दृढ़ संकल्प सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक में भी दिखाई दिया। बालाकोट के बाद ऑपरेशन सिंदूर से भारत के सामर्थ्य को पूरी दुनिया ने देखा है। पहलगाम में बहनों के सामने आर्तोकयों ने उनका सिंदूर मिटाया था, प्रधानमंत्री जी के आ ान पर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से यह साबित कर दिया कि यह नया भारत है जो राष्ट्र के सम्मान, नागरिकों की सुरक्षा और मानवता के लिए घर में घुसकर भी मारना जानता है। पीएम मोदी के कार्यकाल की यह समृद्ध यात्रा राष्ट्र की उमति, आधारभूत समस्याओं के निराकरण और वैश्विक छवि के उत्थान की रही है। देश के 80 करोड़ से अधिक

गरीबों को निःशुल्क अन्न, 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पका घर, हर घर में शौचालय, 15.6 करोड़ से अधिक भरों में नल से जल, 10 करोड़ से अधिक मरों में उज्वला योजना से गैस कनेक्शन और गांवों को रोशन किया है। उनके स्वच्छ भारत अभियान के आ ान पर पूरा देश स्वच्छता एवं साफ सफाई में जुट गया। प्रधानमंत्री जी ने सबका साथ, सचका विकास और सबका विश्वास का उद्घोष किया। उनकी नीतियों में अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की अवधारणा है। सबके स्वस्थ और सुखमय जीवन के लिए आयुष्मान भारत अभियान चलाया। इसमें 9 करोड़ से अधिक लोगों का मुफ्त उपचार हुआ है। सत्तर वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को भी निःशुल्क उपचार मिला है। 16 हजार से अधिक जन औषधि केन्द्रों से सस्ती और अच्छी दवाएं उपलब्ध करवाई है। कोरोना काल में देशवासियों को आपदा में अवसर का मंत्र देते हुए प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत निर्माण का संकल्प दिया और देशवासियों को स्वदेशी निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करवाई। इस भारतीय वैक्सीन को दुनिया के कई देशों ने भी स्वीकारा। उन्होंने श्रृंखलाबद्ध लोक एवं जन कल्याण कारी योजनाओं से समाज के हर वर्ग के समग्र विकास की समुचित व्यवस्था की। जनधन योजना से 55 करोड़ से अधिक लोगों को वित्तीय धारा से जोड़ा गया। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से गरीबों को 44 लाख करोड़ रुपये का लाभ प्राप्त हुआ है। पीएम स्वनिधि और स्ट्रीट वेंडर से रेहड़ी-पटरी के व्यवसायियों को आधार दिया और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी, युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए, नई शिक्षा नीति के साथ 1.6 करोड़ से अधिक युवाओं का कौशल विकास और 1.6 लाख से अधिक स्टार्टअप्स शुरू कर युवाओं को विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिये भागीदार बनाया है। मध्यप्रदेश ने सबसे पहले नई शिक्षा नीति को अमल में लाया और युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर रोजगार तथा स्व-रोजगार के लिये अनंत संभावनाए विकसित की है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, 7.7 करोड़ से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड तथा फसल बीमा से अप्रदाताओं को संबल मिला है। महिलाओं की सुरक्षा के उपाय, आर्थिक स्वावलंबन, सामाजिक उत्थान और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। देशभर में लगभग 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। देश में 90 लाख से अधिक स्व सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ ग्रामीण महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। वर्ष 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें स्थान पर थी। प्रधानमंत्री जी की आर्थिक नीतियों, विशेषकर नोटबंदी जिससे कदाचार पर नियंत्रण हुआ, डिजिटलाइजेशन और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से ऑनलाइन लेनदेन का चलन बढ़ा। इन सभी नीतियों ने आर्थिक विकास के निर्णयों को सबल किया और भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया। प्रधानमंत्री जी ने विकास के साथ विरासत का आ ान किया है। विरासत को सहेजने के लिए उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास और पुनर्प्रतिष्ठा का कार्य आरम्भ किया तथा इसे धार्मिक पर्यटन से जोड़ा। लोगों का अपनी विरासत के प्रति सम्मान बड़ने के साथ पर्यटकों की संख्या भी बड़ी है। नमामि गंगे योजना से पवित्र नदियों की सफाई अभियान के साथ जल संरक्षण की परम्परा विकसित हो रही है। उन्होंने स्वदेशी तकनीक विकसित करने का आ ान किया था जिसने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। प्रधानमंत्री जी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र (इसरो) के वैज्ञानिकों से स्वयं चर्चा की और आवश्यक बजट तथा सुविधाएं उपलब्ध करवाई। इसका परिणाम यह है कि भारत की अंतरिक्ष अनुसंधान तकनीक विश्व में अग्रणी बनी और चंद्रमा के दक्षिणी व पर पहुंचने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। कनेक्टिविटी से विकास को गति प्रदान करने के लिये प्रधानमंत्री जी ने सड़क और रेल नेटवर्क का विस्तार किया। 23 शहरों में मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति, बंदरगाह, हवाई मार्ग, हाई स्पीड कॉरिडोर निर्माण के लक्ष्य को स्वरूप प्रदान किया है। अटल टनल और दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज चेनाब आकार ले चुका है। पीएम मोदी का संकल्प है कि स्वतंत्रता के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनाना और विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना है। इस संकल्प की पूर्ति में सभी प्रदेश सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है। देश तमाम दुनिया के बदलते समीकरणों के बीच भी अधिक स्वायत्तवता और सम्मान के साथ अंतरराष्ट्रीय जगत में अपनी गरिमा को बनाए रखने में कामयाब रहा है ।वहीं आम आदमी में सरकार उम्मीद की एक लौ जगाने में भी कामयाब रही है यह स्वयं मे बड़ी बात है क्योंकि 140 करोड़ भारतीयों की संकल्प शक्ति ही सरकार की ताकत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जय भीम संघर्ष, क्रांति, एकता, सामाजिक न्याय, समानता और आत्मसम्मानका प्रतीक - मदन मोहन भास्कर

भीम प्रज्ञा विशेष रिपोर्ट।

- **जय भीम का नारा सबसे पहले किसने दिया ?**
- **जय भीम का नारा क्या है और इसकी शुरुआत कैसे हुई ?**
- **जय भीम का नारा देने वाले बाबू हरदास एलएन कौन थे ?**

डॉ. भीमराव अंबेडकर के अनुयायियों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नारा जय भीम एक अभिवादन है। जिसका अर्थ 'भीम की जय' या डॉ. भीमराव अंबेडकर जिंदाबाद है। जो सामाजिक न्याय, समानता और आत्मसम्मान का प्रतीक है। यह बहुजन समाज को एकजुट करता है। यह नारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों और संघर्ष को दर्शाता है। जो दलितों, आदिवासियों और समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाता है। यह नारा शिक्षा व अधिकारों के लिए प्रेरित करता है। 'जय भीम' का नारा सबसे पहले आंबेडकर आंदोलन के कार्यकर्ता बाबू हरदास एलएन लक्ष्मण नागराले ने 6 जनवरी 1935 में दिया था । बाबू हरदास सेंट्रल प्रोविंस-बरार परिषद के विधायक थे और बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के विचारों का पालन करने वाले एक प्रतिबद्ध कार्यकर्ता थे। चावदार झील के सत्याग्रह के कारण डॉ. आंबेडकर का नाम हर घर में पहुंच चुका था। इसके बाद महाराष्ट्र में डॉ. आंबेडकर ने जिन दलित नेताओं को आगे बढ़ाया। बाबू हरदास उनमें से एक थे। रामचंद्र क्षीरसागर की पुस्तक दलित मूवमेंट इन इंडिया एण्ड इट्स लीडर्स में दर्ज है कि बाबू हरदास ने सबसे पहले 'जय भीम' का नारा दिया था।

गुंडागर्दी करने वाले असामाजिक लोगों को नियंत्रण में लाने और समानता के विचारों को हर गाँव में फैलाने के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर ने समता सैनिक दल की स्थापना की थी। बाबू हरदास समता सैनिक दल के सचिव थे।

■ **जय भीम का नारा अस्तित्व में कैसे आया -** दलित पैंथर के सह-संस्थापक जेवी पवार ने उस दौरान कहा था कि बाबू हरदास ने कमाठी और नागपुर क्षेत्र से कार्यकर्ताओं का एक संगठन बनाया था। उन्होंने इस बल के स्वयंसेवकों को नमस्कार, राम राम, या जौहर मायाबाप की जगह 'जय भीम' कह कर एक-दूसरे का अभिवादन करने और जवाब देने के लिए सभी लोगों को प्रेरित किया । उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि जय भीम के जवाब में 'बाल भीम' कहा जाना चाहिए। जैसे मुसलमान 'सलाम वालेकुम' का जवाब देते समय 'वलेकुम सलाम' कहते हैं।

■ **डॉ. भीमराव आंबेडकर को सीधे जय भीम नाम से संबोधित किया -** डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवनकाल में ही 'जय भीम' का अभिवादन शुरू हो गया था । आंदोलन के कार्यकर्ता एक-दूसरे को जय भीम कहने लगे। महाराष्ट्र के पूर्व न्यायाधीश सुरेश घोरपोड़े के मुताबिक एक कार्यकर्ता ने आंबेडकर को सीधे 'जय भीम' कहकर संबोधित किया था। सुरेश घोरपड़े सत्र न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश और विदर्भ में दलित आंदोलन के विद्वान थे । उन्होंने बाबू हरदास के अनेक कार्यों पर लिखा और उन पर व्याख्यान दिया। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा पूरे महाराष्ट्र में दलितों के उत्थान के लिए शुरू किए गए आंदोलन में कई युवाओं ने भाग लिया। उनमें से बाबू हरदास एलएन थे।

■ **'जय भीम' क्यों कहा जाता है ? -** बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर का नाम भीमराव रामजी आंबेडकर था। उनके नाम को संक्षिप्त रूप में लिखने की प्रथा शुरू में महाराष्ट्र में आम थी और धीरे-धीरे इसे पूरे भारत में जय भीम कहा जाने लगा। 'जय भीम का नारा भले ही बाबू हरदास ने दिया था लेकिन यह सभी दलितों के लिए किसी जीत से कम नहीं है। उन्होंने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लोगों के आत्मसम्मान को जगाया, उन्हें मनुष्य के रूप में जीने का अधिकार और मार्ग दिया।

■ **जय भीम बनी पहचान -** जय भीम का नारा एक पहचान बन गया है। जय भीम सिर्फ अभिवादन नहीं है, यह एक समग्र पहचान बन गया है। इस पहचान के विभिन्न स्तर हैं। जय भीम संघर्ष का प्रतीक बना, यह एक सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ एक राजनीतिक पहचान भी बन गया है। मेरे अनुसार मुझे लगता है कि यह क्रांति की समग्र पहचान बन चुका है। इसके साथ ही जय भीम आंदोलन का भी प्रतीक बन गया है। यदि आप सूर्या की फिल्म देखते हैं, तो आप देखेंगे कि 'जय भीम' शब्द का प्रयोग सीधे तौर पर नहीं किया गया है बल्कि जय भीम को क्रांति के प्रतीक के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। जय भीम' कहना सिर्फ नमस्कार, नमस्ते की तरह नहीं है। यह आसान नहीं है बल्कि इसका मतलब है कि वह आंबेडकरवादी विचारधारा के करीब है। यह शब्द बताता है कि जहां भी लड़ने की ज़रूरत होगी मैं लड़ने के लिए तैयार हूं। जब लोग डॉ. भीमराव आंबेडकर को 'जय भीम' कहकर संबोधित करते थे, तो वे मुस्कुरा देते थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसे स्वीकार किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर की मृत्यु के बाद यह नारा दलितों के लिए संघर्ष, क्रांति और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बन गया, जिसे राजनीतिक रैलियों और आंदोलनों में बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाने लगा।

■ **जय भीम का नारा एक समुदाय विशेष का नहीं ? -** जय भीम का नारा हिंदी भाषी राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित पूरे देश में आसानी से सुना जा सकता है। डॉ. आंबेडकर के विचार पंजाब में भी फैले हुए थे । इस जगह न केवल नारे गाए जाते हैं बल्कि लाखों लोग ने जय भीम-जय भीम, बोलो जय भीम के नारे लगाते देखे जा सकते

है। 24 जून 2024 को भारत की संसद में आज़ाद समाज पार्टी,कांग्रेस,समाजवादी पार्टी और अन्य विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग दो दर्जन सांसदों ,दलित, ओबीसी, मुस्लिम और आदिवासी ने 'जय भीम' के नारे के साथ शपथ ग्रहण समारोह का समापन किया। आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान में नगीना, उत्तर प्रदेश से लोक सभा सांसद युवा दलित नेता चंद्रशेखर आज़ाद ने अपने संगठन का नाम 'भीम आर्मी' रखा तथा संसद में निडर और निर्भीक होकर जय भीम के नारे लगाते देखें जाते है। जब दिल्ली में नागरिकता संशोधन क़ानून सीएए के ख़िलाफ़ प्रदर्शन हुआ तो मुस्लिम समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें लहराईं । जो यह संकेत देती है कि 'जय भीम' का नारा किसी एक समुदाय और भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है।

■ **जय भीम का नारा देने वाले बाबू हरदास एलएन कौन थे ? -** डॉ. बी.आर. अंबेडकर के कट्टर अनुयायी,दलितों के बीच जय भीम का अभिवादन करने की प्रथा के प्रवर्तक, स्वतंत्र श्रमिक दल के महासचिव, भारतीय दलित नेता, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक, 1937 में नागपुर कामठी निर्वाचन क्षेत्र से चुने जाने वाले पहले विधान सभा सदस्य बाबू हरदास का जन्म 6 जनवरी 1904 को कामठी में एक महार परिवार में हुआ था। इनके पिता लक्ष्मणराव नागरे, रेलवे विभाग में क्लर्क थे। इन्होंने नागपुर के पटवर्धन हाई स्कूल से मैट्रिक की पढ़ाई की। बाबू हरदास किशोरावस्था से ही सामाजिक कार्यों में रुचि रखते थे। 1920 में सामाजिक आंदोलन में शामिल हो गए। इन्होंने नागपुर के पटवर्धन हाई स्कूल से मैट्रिक तक की पढ़ाई की। उन्हें 'जय भीम प्रवर्तक' के नाम से जाना जाता है। आंबेडकर से प्रेरित होकर बाबू हरदास ने 1924 में कमाठी में संत चोखमेला छात्रावास की स्थापना की। उन्होंने इसने ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को आवास प्रदान किया। उन्होंने मेहनत मज़दूरी करने वाले छात्रों के लिए रात्रिकालीन स्कूल भी शुरू किये और अंग्रेजी पढ़ाना भी शुरू कर दिया था ।1925 में बीड़ी वर्कर्स यूनियन की स्थापना की। बीड़ी निर्माता और ठेकेदार मज़दूरों का शोषण कर रहे थे, तब इन्होंने कहा था कि जिसका जो हक है वो पैसा उन्हें दो। उस समय के सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुरूप 1920 में 16 वर्ष की आयु में इनका विवाह साहूबाई के साथ हो गया था। 17 वर्ष की आयु में बाबू हरदास ने दलितों में सामाजिक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नागपुर से वितरित होने वाली महारथा नामक एक साप्ताहिक पत्रिका की स्थापना की। इन्होंने 1922 में महार समाज संगठन की स्थापना करके महार समुदाय को संगठित करने का प्रयास किया। इन्होंने दलितों पर अत्याचारों से बचाने के लिए असंगठित महार युवाओं को एकजुट करने हेतु एक स्वयंसेवी समूह, महार समाज पाठक का भी गठन किया। दलित महिलाओं को दैनिक कार्यों का प्रशिक्षण देने के लिए एक महिला आश्रम खोला। इसके अलावा, बीड़ी श्रमिकों के शोषण को रोकने के लिए इन्होंने सहकारी आधार पर बीड़ी का काम शुरू किया। जो उस क्षेत्र में बहुत सफल रहा।

■ **तर्कहीन,अंधविश्वास,पाखण्ड वाद, ढोंग करने वाली रीति-रिवाजों के विरोधी -** बाबू हरदास तर्कहीन और अंधविश्वासी रीति-रिवाजों के प्रबल विरोधी थे। वे दलित वर्गों के बीच उप-जातिगत भेदभाव के घोर विरोधी थे। इन्होंने महार समुदाय के 14वीं शताब्दी के संत चोखामेला की पुण्यतिथि पर वार्षिक सामुदायिक भोज का आयोजन किया, जो इन भेदभावों को दूर करता था।

■ **शिक्षा के प्रबल समर्थक -** बाबू हरदास दलितों की शिक्षा के प्रबल समर्थक भी थे। इन्होंने स्वयं मैट्रिकुलेशन पूरा किया था, जो उस समय दलितों के लिए एक दुर्लभ बात थी। इन्होंने महार समुदाय के आग्रह पर 1927 में कामठी में रात्रि विद्यालय शुरू किए। उनके विद्यालय में एक समय में 86 लड़के और 22 लड़कियां पढ़ रही थीं। इन्होंने लगभग उसी समय कामठी में एक संत चोखामेला पुस्तकालय भी शुरू किया। हरदास एक विपुल लेखक भी थे और इन्होंने अपनी लेखन प्रतिभा का उपयोग मुख्य रूप से दलित वर्गों में सामाजिक जागरूकता पैदा करने के लिए किया। इन्होंने समाज में व्याप्त बुराइयों के विरुद्ध लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए 1924 में 'मंडल महात्मे' नामक पुस्तक लिखी । इन्होंने इस पुस्तक की निःशुल्क प्रतियाँ लोगों में वितरित कीं। इस पुस्तक का लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ा और उस क्षेत्र के दलित लोगों ने हिंदू देवी-देवताओं पर आधारित नाटक देखना और उनका आनंद लेना बंद कर दिया। इन्होंने ' वीर बालक ' नामक नाटक भी लिखा और लोगों में जागरूकता की एक नई लहर पैदा करने के लिए इसका मंचन किया। इन्होंने 'सॉन्ग्स ऑफ द मार्केट' और 'सॉन्ग्स ऑफ द हीथ' लिखा और प्रकाशित किया । इनके लेख अंबेडकर द्वारा संपादित साप्ताहिक जनता में भी प्रकाशित हुए ।

■ **डॉ. भीमराव आंबेडकर से पहली मुलाकात -** बाबू हरदास की डॉ. भीमराव आंबेडकर से पहली मुलाकात 1928 में हुई। हालाँकि इन्होंने अपनी सामाजिक गतिविधियाँ बहुत पहले शुरू कर दी थीं। लेकिन इस मुलाकात से उनके राजनीतिक करियर को गति मिली। उसी वर्ष डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने उनसे साइमन आयोग के सामने गवाही देने का अनुरोध किया। बाद में 1930-31 में द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के संबंध में जब अछूतों के वास्तविक नेतृत्व का प्रश्न उठा तो हरदास ने यूनाइटेड किंगडम के तत्कालीन प्रधानमंत्री रैमसे मैकडोनाल्ड को एक टेलीग्राम भेजा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर अछूतों के वास्तविक नेता हैं, न कि महात्मा गांधी । इन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में भी इस बारे में एक राय बनाई और विभिन्न अछूत नेताओं द्वारा मैकडोनाल्ड को कुल 32 टेलीग्राम भेजे। डॉ.बी.आर. अंबेडकर की तरह हरदास भी विधानसभाओं में दलित वर्गों की अधिक भागीदारी चाहते थे। इन्होंने मध्य प्रांतों और बरार के राज्यपाल से विधान परिषद, जिला स्थानीय बोर्डों और नगरपालिकाओं में दलित वर्गों के सदस्यों को मनोनीत करने की अपील की। वे 8 अगस्त 1930 को नागपुर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में आयोजित दलित वर्गों के सम्मेलन के मुख्य आयोजकों में से एक थे। इस सम्मेलन में दलित वर्गों के लिए अलग निर्वाचक मंडल बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसी सम्मेलन में अखिल भारतीय दलित वर्ग संघ की स्थापना हुई और हरदास को संघ का संयुक्त सचिव चुना गया। अखिल भारतीय दलित वर्गों का दूसरा सम्मेलन 7 मई 1932 को कामठी में आयोजित हुआ और हरदास इसकी स्वागत समिति के अध्यक्ष थे। इस बैठक में उन्हें संघ के राष्ट्रीय निकाय का सचिव चुना गया। 1936 में स्वतंत्र श्रमिक दल (आईएलपी) की सीपी और बरार शाखा के सचिव बने। इन्होंने 1937 में नागपुर-कामठी निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। 1938 में उन्हें आईएलपी की सीपी और बरार शाखा के अध्यक्ष के रूप में भी मनोनीत किया गया। 1939 में वे तपेदिक से बीमार पड़ गए और 12 जनवरी 1939 को उनका निधन हो गया।बाबू हरदास ने अपनी मृत्यु के बाद भी दलित वर्गों पर महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ा। जैसे कोई धूमकेतु प्रकट होता है, पूरे आकाश में प्रकाश लाता है और फिर पल भर में गायब हो जाता है, वैसे ही हरदास के साथ हुआ। उनके द्वारा गढ़ा गया अभिवादन वाक्यांश 'जय भीम' भारत में दलितों के बीच अभिवादन का एक सामान्य शब्द बन गया है। यह भारत में दलितों की एक प्रमुख और राष्ट्रीय स्तर की पार्टी, बहुजन समाज पार्टी का एक औपचारिक अभिवादन वाक्यांश भी है । फ़िल्म निर्माता धनंजय गलानी ने बोले इंडिया में जय भीम नामक एक फिल्म बनाई जिसमें बाबू हरदास के जीवन और कार्यों को दर्शाया गया है।

मदन मोहन भास्करहिंडौन सिटी, करौली, राजस्थान

पुलिस थाना मालपुरा ने 30 वर्ष से फरार रू5000 के इनामी अपराधी को किया गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़ मालपुरा (टोंक)।

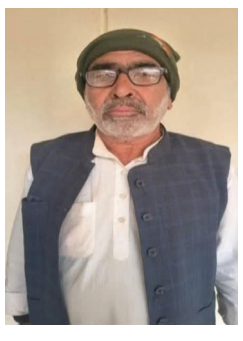

राकेश कुमार बैरवा । पुलिस थाना मालपुरा द्वारा बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए करीब 30 वर्षों से फरार चल रहे उद्घोषित एवं ₹5000 के जिला स्तरीय इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा श्री पुष्पेंद्र सिंह सोलंकी के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी मालपुरा श्री आशीष जापत के सुपरविजन में की गई। पुलिस निरीक्षक श्री चेतराम बेड़ा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा लगातार तलाश के दौरान आरोपी को दबोचा गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामजीलाल उर्फ रामी पुत्र नगु, जाति गुर्जर, उम्र करीब 60 वर्ष, निवासी मोडान का पुरा

तिछरिया, पुलिस थाना नई मंडी हिंडौन सिटी, जिला करौली के रूप में हुई है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर ₹5000 का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रकरण संख्या 117/1994 में धारा 420, 467 एवं 120-बी भारतीय दंड संहिता के तहत वांछित था। आरोपी के विरुद्ध माननीय न्यायालय एसीजेएम मालपुरा द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की पालना में उसे गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में भय एवं आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है।

पुरुषोत्तम मिश्रा की स्मृति में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, 255 मरीज लाभान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ मंडावा।

कस्बे के वार्ड संख्या 21 स्थित पारदर्शी शिव मंदिर के समीप पुरुषोत्तम वाटिका में सोमवार को स्व. पुरुषोत्तम मिश्रा की स्मृति में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन मिश्रा परिवार के सौजन्य से प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में सीकर से आए नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नंद किशोर टीबड़ा एवं उनकी टीम ने अत्याधुनिक मशीनों से मरीजों की नेत्र जांच की। जांच के उपरांत मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं तथा आवश्यकता अनुसार चश्मे भी प्रदान किए गए। इस सेवा कार्य में उमेश मिश्रा एवं रवि

मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। यह नेत्र चिकित्सा शिविर स्व. पुरुषोत्तम मिश्रा की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों को बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। शिविर में कुल 255 लोगों की जांच कर उन्हें उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।कार्यक्रम के दौरान पूर्व पालिकाध्यक्ष सजन मिश्रा, वर्तमान चेयरमैन नरेश कुमार शर्मा, कमलेश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन में दिनेश मिश्रा, अजय मिश्रा, संदीप शर्मा, मधु खेमानी, पवन शर्मा, सुभाष पांडे, सुरेंद्र पाल वाले, सत्यदेव मिश्रा, ज्योति मिश्रा, पूलम मिश्रा, शकुंतला सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने सहभागिता निभाई। आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं चिकित्सकीय टीम का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

अंबेडकर स्मारक समिति के कथित चुनाव रद्द करने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़ महेंद्रगढ़।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति, महेंद्रगढ़ में बिना वैध निर्वाचन प्रक्रिया के गठित की गई कथित कार्यकारिणी को निरस्त करने की मांग को लेकर मंगलवार को उपमंडल अधिकारी (नागरिक) कनिका गोयल (आईएएस) को मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इससे पूर्व डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर पूर्व प्रधान सुंदरलाल जोरासिया की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई, जिसमें प्रशासक पर ॥र्र्स्र,ष्ह्ल, 2012 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि 4 जनवरी 2026 को बिना वैध मतदाता सूची एवं निर्वाचन प्रक्रिया के कथित रूप से कार्यकारिणी घोषित की गई, जो पूर्णतः अवैध है।ज्ञापन में कथित चुनाव को रद्द करने, प्रशासक के विरुद्ध जांच कर कार्रवाई करने तथा स्वतंत्र चुनाव अधिकारी नियुक्त कर जल्द चुनाव कराने की मांग की गई।इस अवसर पर रमेश खिंची, धन्नाराम, सुभाष चौहान, संतलाल खिच्ची, भूपसिंह ढाणी फोगाट, हेडमास्टर ताराचंद, हंसराज चौहान, हरिसिंह प्रधान, डॉ. हरिसिंह, हरिराम खन्ना, डॉ. राकेश मेहरा, भगवान सिंह, प्रकाश खिंची, शिशराम भगत, विजय चौपड़ा, सतीश बौद्ध, कर्ण सिंह पंच, सत्यवीर सिंह, सुरेंद्र सिंह नम्बरदार, पंकज कुमार सहित अनेक समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी का जयपुर में भव्य स्वागत

झुंझुनूं से जिला अध्यक्ष रतन सिंह तंवर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़ जयपुर।

भाजपा किसान मोर्चा राजस्थान के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कैलाश जी चौधरी के पद ग्रहण कार्यक्रम के अवसर पर भाजपा कार्यालय, जयपुर में कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा जिला झुंझुनूं के जिला अध्यक्ष रतन सिंह तंवर के नेतृत्व में झुंझुनूं जिले से पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। प्रतिनिधिमंडल में किसान मोर्चा जिला महामंत्री धर्मेंद्र जी नेहरा भी विशेष रूप से

उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि कैलाश चौधरी के नेतृत्व में किसान मोर्चा को नई दिशा एवं मजबूती मिलेगी तथा किसानों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से संगठन और सरकार के समक्ष रखा जाएगा। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनके अनुभव और नेतृत्व से राजस्थान में किसान हितों को और अधिक बल मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसान मोर्चा का मूल उद्देश्य किसानों के अधिकारों, सम्मान और समृद्धि के लिए सतत संघर्ष करना है, जिसे संगठनात्मक एकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

एसकेआरएयू कुलगुरु ने किया कृषि विज्ञान केन्द्र, आबूसर तथा मंडावा कृषि महाविद्यालय का निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । एसकेआरएयू कुलगुरु प्रो राजेन्द्र बाबू दुबे ने मंगलवार को झुंझुनू के आबूसर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र तथा मंडावा स्थित स्व रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ विजय प्रकाश आर्य एवं निदेशक प्रसार डॉ दीपाली धवन भी उपस्थित रहे। कुलगुरु ने केवीके पर हाल ही में विकसित बाग़वानी प्रदर्शन ब्लॉक का उद्घाटन किया । उन्होंने इस ब्लॉक में विकसित सभी बाग़वानी इकाइयों का भ्रमण किया तथा इनकी सराहना की। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रभारी डॉ दयानन्द तथा टीम ने फ़ार्म पर रबी फसलों के बीज उत्पादन कार्यक्रम की जानकारी दी। केन्द्र द्वारा गेहूं, जौ, चना ,सरसों एवं मेथी का गुणवत्तापूर्ण प्रजनक बीज, आधार बीज, प्रमाणित बीच एवं सत्य चिन्हित बीज के रिकॉर्ड उत्पादन किया गया है इस पर संतोष व्यक्त करते हुए कुल गुरु ने इसे और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि रिकॉर्ड बीज उत्पादन तथा उससे अर्जित आय के कारण केंद्र को दो बार राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जा चुका है। कुलगुरु ने केंद्र पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयाँ जैसे फसल कैफेटेरिया, प्राकृतिक खेती इकाई, किण्वित जैविक खाद प्रक्षेत्र इकाई, वर्मी कम्पोस्ट इकाई एवं बेर बाग सहित सभी प्रदर्शन इकाइयों का भ्रमण किया।

स्व.श्री रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय मंडावा का किया अवलोकन

कुल गुरु ने स्व.श्री रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मण्डावा का दौरा किया। उन्होने कृषि महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन का अवलोकन करते हुए सभी प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय एवं कक्षाएं सुचारु रुप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि महाविद्यालय मे लैंडस्केप ओर वृक्षारोपण के साथ चारदीवारी और सडक का निर्माण जल्द से जल्द पूर्ण करने को कहा । कुल गुरु डॉ0 दुबे ने कृषि महाविद्यालय के कार्मिकों से भी मुलाकात की। अधिष्ठाता डॉ. पी.सी. गुप्ता ने विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. रवि कुमार मीणा व कृष्ण सिंह उपस्थित रहे ।

नो दिवसीय श्रीराम कथा में राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़ मंडावा।

फतेहपुर रोड स्थित गोयनका धर्मशाला में चल रही नो दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के तीसरे दिन मंगलवार को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का प्रसंग श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। अयोध्या से पधारे कथावाचक धर्मदास महाराज ने भगवान श्रीराम के जन्म एवं बाल लीलाओं का सजीव, भावनात्मक और रोचक वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान महाराज ने कहा कि जब धरती पर अधर्म, अनैतिकता और अहंकार बढ़ता है, तब प्रभु मानव रूप में अवतार लेते हैं। श्रीराम मर्यादा, आदर्श और धर्म के प्रतीक हैं, जिनकी कथा मानव जीवन को आध्यात्मिक ज्ञान और सद्गुणों से जोड़ती है। जैसे ही राम जन्म का प्रसंग सुनाया गया, पूरा कथा पंडाल 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। राम जन्मोत्सव के अवसर पर मुख्य यजमान विष्णु सोनी सपत्नीक सहित अन्य यजमानों ने विधिवत पूजा-अर्चना की। फतेहपुर से भामाशाह लालचंद बियानी एवं विष्णु सोनी की ओर से श्रद्धालुओं को बधाइयां दी गईं, वहीं प्रसाद

वितरण का भी आयोजन हुआ। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि नो दिवसीय श्रीराम कथा के माध्यम से क्षेत्र में धर्म, संस्कार और भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। कथा का समापन प्रतिदिन भजन-कीर्तन एवं आरती के साथ किया जा रहा है। कार्यक्रम में कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई।

यातायात नियमों के पालन नहीं करने वालों पर होगी अभय कमांड सेंटर से निगरानी, ऑनलाइन बनेंगे चालान

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित, नियमों की सख्ती से पालना के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के लिए अब नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर अभय कमांड सेंटर से भी निगरानी रखी जाएगी। बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के वाहन चलाने, यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से ऑनलाइन चालान की कार्रवाई की जाएगी। ये निर्देश मंगलवार को जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए। जिला कलेक्टर ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लगे कैमरों के माध्यम से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की पहचान कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ट्रैफिक लाइट्स की आवश्यकता वाले स्थानों की पहचान कर प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए । बैठक में सड़क सुरक्षा माह के तहत संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने पुलिस एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर विभिन्न मार्गों पर औचक नाकाबंदी कर अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने शहरी निकायों के अधिकारियों को शहरी क्षेत्र की मुख्य सड़कों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नियमित रूप से करने के निर्देश भी दिए, ताकि यातायात सुचारू एवं सुरक्षित बनाया जा सके। बैठक में पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता सतीश चंद्र गुप्ता, डिप्टी एसपी गोपाल सिंह ढाका, सीडीईओ अशोक शर्मा सहित पुलिस, परिवहन, शहरी निकाय व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधुत संबधित समस्याओं के लिए जन-सुनवाई 7 जनवरी को

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

झुंझुनूं । विधुत उपभोक्ताओं की विधुत संबधित समस्याओं एवं शिकायतों (विधुत सप्लाई, विधुत कनेंक्शन, विधुत मीटर, विधुत बिल में त्रुटि सुधार, विधुत ट्रांसफार्मर व लाईन, गलत वीसीआर से सम्बन्धी) के समाधान के लिए 7 जनवरी को जन-सुनवाई का आयोजन किया जायेगा। जानकारी देते हुयें झुन्झुनू वृत के अधीक्षण अभियन्ता एम.के.टीबड़ा ने बताया कि बुधवार को प्रात 11 बजे अधीक्षण अभियन्ता, अविविनिलि, कार्यालय झुंझुनू परिसर में जन-सुनवाई का आयोजन किया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी आज आयेंगे लक्षमनगढ

पूर्व विधायक चौधरी दिलसुख राय की पुण्य स्मृति में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल कर अर्पित करेंगे श्रद्धासुमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

ेखावाटी अंचल के जाने-माने लोकप्रिय जनसेवक व देश प्रदेश में किसानों की आवाज को बुलंद करने वाले फतेहपुर शेखावाटी के पूर्व विधायक चौधरी दिलसुख राय का 26 दिसंबर को निधन हो गया। स्व.चौधरी की पुण्य स्मृति में सर्वधर्म व सर्वदलीय श्रद्धांजलि एवं प्रार्थना सभा आज बुधवार 07 जनवरी को दोपहर 12 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चौधरी पैट्रोल पम्प लक्षमनगढ पर आयोजित होगी। इस अवसर पर केन्द्रीय कौशल विकास एवं उधमिता मंत्रालय स्वंतत्र प्रभार एवं केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री भारत सरकार एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी बुधवार को दोपहर 12 बजे चौधरी पैट्रोल पम्प पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस अवसर पूर्व चौधरी दिलसुख राय के समर्थक, शुभचिंतक, सहयोगी व बड़ी संख्या प्रबुद्ध जन मौजूद रहकर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

यूको बैंक की नीमराना शाखा में 84वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । यूको बैंक की नीमराना शाखा में मंगलवार को बैंक का 84वां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर की गई, जिसमें शाखा प्रबंधक अनिल कुमार, सुदेश

शोकीन, वंदना पाकर और अतेन्द्र सिंह उपस्थित रहें। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में डॉ. गजराज यादव, निदेशक, सचखंड हॉस्पिटल और के.जी. शर्मा, अध्यक्ष, नीमराना इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में शाखा के विशेष आमंत्रित ग्राहकों में मनोज यादव, मनीष कुमार, भूप सिंह, पवेन्द्र सिंह, दुर्गाराम खटाना, महावीर चरखिया, रविन्द्र सामरिया, सुनील कुमार, रमेश चंद, जयसिंह, नरेन्द्र सिंह, देवेंद्र दोसोदिया और नगमा देवी उपस्थित रहे। शाखा प्रबंधक अनिल कुमार ने अपने संबोधन में यूको बैंक की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, जैसे बचत एवं ऋण योजनाएं, डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं, एमएसएमई एवं किसान योजनाओं की जानकारी दी और ग्राहकों से इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। उपस्थित अतिथियों और ग्राहकों ने यूको बैंक की 84 वर्षों की गौरवशाली सेवा यात्रा की सराहना करते हुए बैंक को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सड़क निर्माण की भावी योजना को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

जिले में सड़क निर्माण की भावी योजना (प्रॉस्पेक्टिव प्लान) तैयार करने को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र, पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास, आमजन की सुविधा तथा ट्रक, बस व औद्योगिक एसोसिएशन सहित मार्केटिंग/टूरिज्म बोर्ड के प्रतिनिधियों से सुझाव आमंत्रित किए गए। बैठक के दौरान जिले में पर्यटन मार्गों के चौड़ीकरण एवं एलाइनमेंट सुधार को लेकर विभिन्न प्रस्ताव रखे गए। इनमें मंडावा से रामगढ़, उदयपुरवाटी से शाकंभरी माता मंदिर, गोलयाणा से लोहार्गल धाम, मंडावा से महनसर सहित अन्य पर्यटन व धार्मिक क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों को योजना में सम्मिलित करने के प्रस्ताव प्रमुख रहे।इसके अलावा औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से बबाई औद्योगिक क्षेत्र में कलोटा रोड से नीमकाथाना रोड को जोड़ने, चनाना, नंगली एवं बडाऊ गांव से बाईपास निकालने के प्रस्ताव भी बैठक में रखे गए।जिला कलेक्टर

डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर सड़क निर्माण की भावी योजना तैयार की जाएगी, जिससे जिले में आवागमन सुगम होने के साथ-साथ पर्यटन एवं औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बैठक में पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता सतीश चंद्र गुप्ता सहित औद्योगिक क्षेत्र, पर्यटन व धार्मिक संस्थाओं, ट्रक, बस व औद्योगिक एसोसिएशन तथा मार्केटिंग/टूरिज्म बोर्ड के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खेतड़ी पोलो ग्राउंड में लगा रक्तदान शिविर:युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, 405 यूनिट रक्त संग्रह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी के ऐतिहासिक पोलो ग्राउंड में मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 405 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इसी के साथ पौष बड़ा महोत्सव भी आयोजित हुआ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष गीता सैनी थीं, जबकि पूर्व पालिकाध्यक्ष सीताराम ने इसकी अध्यक्षता की। अतिथियों ने विधिवत रूप से फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष गीता सैनी ने रक्तदान

को महादान बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी का जीवन बचाया जा सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर रक्तदान करने वाले दाताओं को अध्यक्ष गीता सैनी ने प्रस्तुति पत्र और तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी से रक्तदान करने का आग्रह करते हुए इसे समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण योगदान बताया। झुंझुनू के बीडीके अस्पताल की दो टीमों ने रक्त संग्रहण का कार्य किया। इस मौके पर केदार मल खिंची, पार्षद लीलाधर सैनी, वेणीशंकर, बबलू अवाना, प्रमोद स्वामी, सुधीर गुप्ता, प्राचार्य महिपाल कुमावत, मनोज शर्मा, हरि सिंह ढिल्लन, रमेश ठेकेदार, मुकेश गुर्जर, अमित सैनी और पार्षद राहुल सैनी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नशा मुक्त समाज की दिशा में सामूहिक पहल: रतिया क्षेत्र के गांवों के सरपंचों ने पुलिस अधीक्षक से की मुलाकात

नशे के खिलाफ पुलिस को पूर्ण सहयोग का दिया आश्वासन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रतिया क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सरपंचों ने पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान गांव अलीपुर बरोटा, लधुवास, चन्दों खुर्द, चिम्मों, फुला, कुनाल, बुर्ज, मुन्सीवाला एवं भरपुर के सरपंच उपस्थित रहे। बैठक में नशे के बढ़ते खतरे पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई और इसे जड़ से समाप्त करने के लिए पुलिस व ग्राम पंचायतों के बीच समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया गया।सरपंचों ने

एक स्वर में कहा कि नशा न केवल युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर कर रहा है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को आश्वस्त किया कि उनके गांवों में नशे के खिलाफ चलाई जा रही किसी भी मुहिम में पुलिस को पूरा सहयोग दिया जाएगा। गांव स्तर पर जन-जागरूकता फैलाने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा नशे के आदी व्यक्तियों को नशा छुड़वाने के लिए पुलिस द्वारा शुरू की जाने वाली हर पहल में पंचायतें सक्रिय भूमिका निभाएंगी। सरपंचों ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि उन्हें अपने गांव या आसपास के क्षेत्रों में नशा तस्करी से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त होती है, तो वह उसे पूरी तरह गोपनीय तरीके से पुलिस तक पहुंचाएंगे, ताकि अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई को गांव स्तर पर नैतिक और सामाजिक समर्थन दिया जाएगपुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने सरपंचों की इस सकारात्मक पहल की सराहना करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब ग्राम पंचायतें, समाज के जिम्मेदार लोग और पुलिस एकजुट होकर कार्य करते हैं, तो नशे जैसी सामाजिक बुराई को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने आश्वस्त किया कि फतेहाबाद पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी और नशा छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को उचित मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में समय-समय पर पुलिस व पंचायत प्रतिनिधियों के बीच संवाद कायम रखा जाएगा, ताकि जमीनी स्तर पर आने वाली समस्याओं का समाधान तुरंत किया जा सके। अंत में सभी सरपंचों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

लोहिया के छात्र अजीत का राजकीय सेवा में चयन होने पर सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

लोहिया स्कूल में सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अजीत पुत्र सुभाष का लोको पायलट पद पर चयन होने पर, प्रियांशी पुत्री नरेंद्र कुलहरी को राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में 9वीं रैंक प्राप्त करने पर, सम्मानित किया गया। वहीं रीतु पुत्री बाबूलाल (ग्राम तोला सेही) राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल व टेलीकम्युनिकेशन ऑपरेटर के पद पर, ज्योति पुत्री घीसा राम (ग्राम अडूका) एवं पूजा पुत्री अनिल (तोला सेही) को राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल पद पर चयन होने पर प्रतिभा

सम्मान प्रदान किया गया।शैक्षणिक उपलब्धियों में टारगेट नीट में नेहा शर्मा, टारगेट जेईई में कनिष्का, कक्षा 11 जेईई में हिमांशु शर्मा तथा कक्षा 11 नीट में ज्योति चाहर ने प्रथम स्थान तथा प्री-बोर्ड परीक्षा में प्रियांशी नरेंद्र, खुशबू सुरेंद्र विनीता वीरेंद्र, तरुण सुमेर सिंह दीपक धर्मपाल को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था निदेशक जगपाल सिंह यादव एवं चेयरमैन राम सिंह नेहरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोहिया स्कूल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निरंतर प्रयासरत है। यहां से पढ़े हुए विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में जाकर अपना, अपने क्षेत्र का और लोहिया स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं। कार्यक्रम में नगरपालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, हिंदी माध्यम की प्राचार्या प्रमिला झाझड़िया, अंग्रेज़ी माध्यम की प्राचार्या प्रमोदिनी दुबे सहित पूरणमल गजराज, गुलज़ार खान, सुरेश यादव, सुरेश भालोठिया, कंप्यूटर ऑपरेटर नरेश, राजेंद्र भास्कर, ओमप्रकाश बरवड़, राजकुमार, संदीप राव एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ अभिभावक नथुराम व्याख्याता व अन्य अभिभावकगण उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह प्रेरणादायक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

राजस्थान अकाउंटेंट्स एसोसिएशन जिला शाखा के चुनाव संपन्न,सावित्री यादव बनी अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

राजस्थान अकाउंटेंटस एसोसिएशन जिला शाखा सीकर के चुनाव मंगलवार को जिला कोषाधिकारी सीकर के पर्यवेक्षण में संपन्न हुए। जिला कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से निर्विरोध जिलाध्यक्ष एवं प्रांतीय प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया।जिसमें कार्यकारिणी में सावित्री यादव को अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचित किया गया एवं रामगोपाल शर्मा, राकेश कुमार कुमावत, अविनाश ढाका, मोहनलाल, प्रिया भास्कर, महेश पुनिया व शुभम पचार को प्रांतीय प्रतिनिधि चुना गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट ने धारदार हथियार से मारपीट करने पर 3 वर्ष की सजा सुनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । राज्य सरकार की ओर से अभियोजन अधिकारी मनोज शर्मा ने बताया कि परिवादी मदनलाल निवासी झाझडिया की ढाणी तन छऊ 1 मई 2013 को गुड्डा गोडजी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी ,वह अध्यापक मदनलाल स्कूल में जा रहा था तो रास्ते में बोलोरो मैं सवार रामनिवास व उसका लड़का अशोक उर्फ संजय ने रास्ता रोककर धारदार हथियार बाकडा व लाठी से मारपीट की थी जिससे उसके हाथों की अंगुलियां कट गई थी। सरकार की ओर से अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विजय कोचर आरजेएस द्वारा 6 जनवरी 2026 को सरकार बनाम रामनिवास पुत्र रामेश्वर लाल व उसका पुत्र अशोक उर्फ संजय निवासी मुंडो की ढाणी को तन छऊ को धारा 323 ,341 ,427 ,324 ,326 में अभियुक्त गणों को 15 गवाह व दस्तावेजों पेश कर अभियुक्त गणों को दोष सिद्ध करके उपरोक्त धाराओं में 3 वर्ष का कारावास और 10 हजार-10 हजार रुपए का अर्थ दंड दंडित किया है।

हरसोलिया ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड-2026 से सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

इंद्रलोक फाउंडेशन द्वारा ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड-2026 समारोह रॉयल बाग पैलेस, न्यू सांगानेर रोड़, मानसरोवर में आयोजित समारोह में जयपुर शहर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, फिल्म प्रोड्यूसर एन.के. मित्तल, कोएक्टर विजय लक्ष्मी, संस्था की डायरेक्टर इंद्रा बंसल, मीनू सिंह, ललिता टांक, दीपिका राठौड़, रमेश टांक ने

सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय काबिलियत एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए चौमूं तहसील के ग्राम टांकरडा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया का दुपट्टा पहनाकर, स्मृति चिन्ह व ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड-2026 से सम्मानित किया। हरसोलिया को यह अवार्ड मिलने पर सर्व समाज बंधुओ में हर्ष जताया। हरसोलिया ने संस्था की डायरेक्टर इंद्रा बंसल को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

सच्चे प्रेम से आनंद की अनुभूति होती है- दिनेश गिरी महाराज

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सवको में उमड़ा सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

बुद्धगिरी मंढी फतेहपुर के पीठाचार्य महंत दिनेश गिरी महाराज ने कहा कि परमात्मा को प्रेम से प्राप्त करो। अहम को त्याग कर प्रेम रूपी मार्ग को अपनाओ। यह प्रवचन महाराज ने श्यामपुरा पश्चिम स्थित श्री श्याम गौशाला में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान एक सप्ताह के दौरान कही। महाराज ने कहा कि सच्चे प्रेम से ही आनंद की असीम अनुभूति होती है। जब जीव को मनुष्य योनि प्राप्त हुई है तो अपने आपको गोपी भाव रखते हुए सद्कर्म करें। संसार रूपी दलदल से दूर रहते हुए गौ सेवा के साथ प्रेम रूपी मार्ग को अपनाएं। इस दौरान श्री राम गुरुकुलम न्यास के अध्यक्ष एवं श्री हनुमान गढीअयोध्या धाम के पुजारी तथा श्री करणी गोपाल गौधाम पालवास के महंत गौवत्स पूज्य चंद्रमा दास महाराज एवं हरिद्वार के पंडित श्री कृष्ण शास्त्री ने भी प्रवचन कहें। इस अवसर पर गौ भक्त पंडित महेश चंद्र शास्त्री, मदन लाल शर्मा, भंवरलाल कुल्हरि, रतनलाल बाजिया, केशरमल सुंडा, भागीरथ मल सुंडा रतनलाल , वीरेंद्र सिंह, रामदेव सिंह सुंडा, समदर सिंह शेखावत, गोपाल सिंह, सूरजभान , रामावतार कुल्हरी, सहित अनेक लोग महिला पुरुष बच्चे मौजूद थे।

नीमकाथाना नगर कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित

विधायक सुरेश मोदी ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया, बलदेव यादव अध्यक्ष नियुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नीमकाथाना नगर कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इस अवसर पर विधायक सुरेश मोदी ने अपने आवास पर सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया और उन्हें हार्दिक बधाई दी। घोषित कार्यकारिणी में बलदेव यादव को अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। श्रवण शर्मा को महासचिव (संगठन) बनाया गया है। उपाध्यक्ष के रूप में गोपाल अग्रवाल, शिवपाल भाटी, अशोक ढिलाण, रमेश जोशी और धनीराम भिहारा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।महासचिव पदों पर ग्यारसीलाल बंजारा, राजेंद्र वर्मा, कृष्ण कुमार सैनी, सुभाष सिंघल और आशिष कुमावत को नियुक्त किया गया है। रामजीलाल सैनी, नितेश कुमार गोयल, ईद मोहम्मद, राजेंद्र मीणा, अजय कुमार गोयल, शेर सिंह सैनी, कैलाश चंद सैनी, रणजीत वर्मा, मदनलाल और जयचंद डांगी सचिव बनाए गए हैं। लालचंद को प्रवक्ता तथा विष्णु कुमार अग्रवाल को सोशल मीडिया सदस्य मनोनीत किया गया है। कार्यकारिणी सदस्यों में इदु खां, राम सिंह जाट, शम्भू दयाल, जगदीश प्रसाद सैनी, रामस्वरूप मीणा, धर्मपाल सैनी और राकेश जांगिड़ शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक सुरेश मोदी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से कांग्रेस पार्टी को एकजुट रखने, संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर संघर्षरत रहने का आह्वान किया। विधायक मोदी ने कहा कि नीमकाथाना नगर कांग्रेस

कमेटी की यह नई कार्यकारिणी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने जोर दिया कि कांग्रेस पार्टी हमेशा संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है।उन्होंने नई टीम से अपेक्षा की कि वह जनता की समस्याओं को पूरी मजबूती से उठाएगी। विधायक ने सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय, अनुशासन और एकजुटता के साथ कार्य करते हुए पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का भी आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई कार्यकारिणी आने वाले समय में नगर कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने नव-नियुक्त कार्यकारिणी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

नारनौल में DC ने बरामदे में बैठकर सुनी समस्याएं, फरियादियों को भी अपने साथ बैठाया

अधिकारियों से बोले-समाधान में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी-डीसी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

हरियाणा के नारनौल में डीसी ने आज अपने कार्यालय से बाहर आकर परिसर में आगंतुकों के लिए रखी चेयर पर बैठकर समस्याएं सुनी। डीसी कैप्टन मनोज कुमार द्वारा इस प्रकार लोगों के बीच बैठकर समस्याएं सुनना चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं लोगों ने इसकी सराहना की है। डीसी कैप्टन मनोज कुमार आज अपने कार्यालय में बैठे थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि अनेक लोग बाहर उनसे मिलने के लिए आए हुए हैं। जिस पर वे अपनी सीट से खड़े होकर कमरे से बाहर निकल लोगों के बीच आ गए। इसके बाद डीसी ने बाहर रखी कुर्सियों के बीच बैठकर लोगों की समस्याएं सुनने लगे। इस दौरान डीसी ने फरियादियों को अपने पास बैठाकर उनकी समस्याएं पूरी गंभीरता और तल्लीनता से सुनीं। समस्याएं सुनते हुए उन्होंने किसी भी प्रकार की जल्दबाजी नहीं दिखाई और हर व्यक्ति को अपनी बात पूरी तरह रखने का अवसर दिया। डीसी का यह अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। इस दौरान डीसी ने 26 लोगों की समस्याएं सुनी।

अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

शिकायतों के निपटारे के दौरान डीसी ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर काटने के लिए मजबूर करना प्रशासनिक विफलता है। डीसी ने कई मामलों में तुरंत कार्रवाई के आदेश जारी किए और कुछ शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिन मामलों में समय लगता है, उनमें निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए और शिकायतकर्ता को प्रगति की जानकारी दी जाए।

स्वर्णकार समाज के छात्रावास के आवंटित भूमि निरस्त करने के खिलाफ सर्व समाज मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को देगा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पूर्ववर्ती सरकार की ओर से स्वर्णकार समाज सीकर को छात्रावास के लिए आवंटित की गई भूमि को वर्तमान सरकार की ओर से निरस्त किए जाने के विरोध में मंगलवार को सर्व समाज की सीकर में पोलो ग्राउंड स्थित स्वर्णकार भवन में मीटिंग आयोजित एक मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन देने तथा आंदोलन करने का निर्णय लिया।बैठक में स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष तिलोकचंद जालू ने बताया कि समाज के विद्यार्थियों के लिए पूर्व में हॉस्टल निर्माण हेतु भूमि आवंटित की गई थी, जिसे वर्तमान सरकार द्वारा निरस्त कर दिया गया है। इस

निर्णय से समाज में गहरा रोष व्याप्त है, क्योंकि इससे गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।बैठक में सैनी समाज के संरक्षक भंवरलाल गार्ड, सेन समाज सेवा समिति के अध्यक्ष भवानी शंकर बिल्खीवाल, पारीक सोशल ग्रुप के अध्यक्ष राजेंद्र पारीक एवं सोनी समाज के अध्यक्ष त्रिलोकचंद जालू ने संयुक्त रूप से कहा कि यदि सरकार तीन दिनों के भीतर इस विषय में कोई ठोस व सकारात्मक कार्रवाई नहीं करती है, तो शुक्रवार को सर्व समाज की ओर से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा जाएगा। इसके साथ ही शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा।वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर सरकार का इस प्रकार का निर्णय समाज के भविष्य के साथ अन्याय है।हॉस्टल की सुविधा न होने से दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। सर्व समाज ने एकजुट होकर सरकार से इस निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की।बैठक में बी.एल. सोनी, राजेश सैनी, रमाकांत तिवाड़ी, हरि सैनी, नेमीचंद सोनी, ओमप्रकाश सोनी, माधव पारीक, सतीश सैन, राकेश सेन, द्वारका प्रसाद सैन, घीसालाल सैनी, अमित हर्शवाल, पूरणमल सोनी, मणिशंकर सोनी, दिनेश सेन झीगर, मुरारीलाल पारीक, प्रहलाद सैनी, कालूराम सैनी सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे।अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज के हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक और संगठित तरीके से आंदोलन किया जाएगा, ताकि सरकार तक समाज की आवाज़ मजबूती से पहुंच सके।

पीएमश्री स्कूल बलारा के विद्यार्थियों ने पालड़ी आईटीआई में सीखीं तकनीकी बारीकियां

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय पालड़ी आईटीआई में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बलारा के विद्यार्थियों के लिए प्राचार्या शोभा शर्मा और व्यावसायिक शिक्षा प्रभारी वीरेंद्र सिंह की प्रेरणा से एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। शैक्षिक दौरे में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के व्यावसायिक शिक्षा के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।भ्रमण के दौरान पालड़ी आईटीआई के प्राचार्य ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने छात्रों को वर्तमान युग में 'हुनर' और तकनीकी शिक्षा की महत्ता बताते हुए कहा कि किताबी ज्ञान को जब तक व्यावहारिक धरातल पर नहीं उतारा जाता, तब तक वह अधूरा है। प्राचार्य राकेश मालवीय बताया कि इस दौरान बच्चों को कैरियर विकल्प के रूप में व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण और कौशल विकास हेतु प्रेरित किया। संस्थान के प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को आधुनिक वर्कशॉप का भ्रमण कराया, जहाँ उन्होंने इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल और कोपा ट्रेड से जुड़ी बारीकियों

को समझा। छात्रों ने कंप्यूटर लैब और मशीनों के संचालन को प्रत्यक्ष रूप से देखा। बलारा स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के दौरों से विद्यार्थियों में तकनीकी विषयों के प्रति रुचि बढ़ती है। छात्रों ने भी प्राचार्य से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर आईटीआई और स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

लक्ष्मणगढ़ में गोवंश को खिलाएंगे मेथी के लड्डू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

प्लास्टिक की थैली खाकर गोवंश को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए लक्ष्मणगढ़ में देशी दवा से तैयार मैथी के लड्डू खिलाए जाएंगे। यह पुनीत कार्य करने के लिए आगे आए हैं भगवा रक्षा वाहिनी के कार्यकर्ताओं की टीम जो शहर में इधर-उधर घूमते रहने वाले तमाम गोवंश को देशी दवा से तैयार मैथी के लड्डू खिलाएंगे। वाहिनी के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ शहर में घूमने वाले गोवंशों के लिए मेथी के लड्डू देसी दवाइयां के साथ बनाए गए हैं जो प्लास्टिक की थालियां खाने के बाद में गोवंश को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए कारगर साबित होंगे।यह मेथी के लड्डू तैयार किए गए हैं उन्होंने बताया कि लक्ष्मणगढ़ के जितने भी गोवंश इधर-उधर घूमते हैं उन सभी तक लड्डू पहुंचाने का लक्ष्य भगवा रक्षा वाहिनी ने लिया है। जिसकी शुरुआत बुधवार संकट चतुर्थी से की गई है तथा गो भक्तों की टीम के द्वारा जगह-जगह जाकर गोवंश को लड्डू खिलाना शुरू कर दिया है ।टीम में भगवा रक्षा वाहिनी के कार्यकर्ता ताराचंद ठेकेदार एवं गौ भक्त विकास सैनी विक्रम सैनी शंभू दयाल सैनी हिमांशु सैनी आलोक बिजारणिया मयंक सैनी आदि कार्यकर्ता अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

उपाधीक्षक शर्मा का ग्रामीणों ने किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । शहर के सामोद रोड बाईपास पुलिया के पास स्थित मां वैष्णो देवी मंदिर में ग्रामवासियों द्वारा पुलिस उपाधिक्षक प्रदीप शर्मा का 51 किलो की माला पहनाकर एवं 51 फुट का साफा बांधकर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया।

कृषि महाविद्यालय लालसोट के तीन विद्यार्थी राज्य नवाचार परिषद के लिए चयनित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लालसोट (दौसा)।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार के अंतर्गत कार्यरत राज्य नवाचार परिषद द्वारा इनोवेशन स्काउटिंग प्रोग्राम के तहत इंटर्न्स के चयन हेतु अंतिम साक्षात्कार 24 दिसंबर 2025 को कृषि महाविद्यालय, लालसोट परिसर में ऑनलाइन माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय, लालसोट के अधिष्ठाता के मार्गदर्शन में तथा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. वेद प्रकाश यादव के प्रभावी समन्वय से संपन्न हुआ, जिसमें कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, लालसोट के कुल 17 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। साक्षात्कार प्रक्रिया एक विधिवत गठित उच्चस्तरीय चयन समिति द्वारा संचालित की गई, जिसमें राष्ट्रीय नवाचार प्रतिष्ठान (NIF) के वैज्ञानिक 'इ' डॉ. नितिन मौर्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोजेक्ट डायरेक्टर-I श्री राजीव जैन, मुख्य लेखा अधिकारी श्रीमती प्रियंका यादव, राज्य नवाचार परिषद के सचिव श्री विजय कुमार सक्सेना तथा श्री नदीम रहीम, वरिष्ठ प्रबंधक, राज्य नवाचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार की गरिमामयी उपस्थिति रही। चयन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों का मूल्यांकन नवाचार एवं जमीनी स्तर के नवाचारों की समझ, इनोवेशन स्काउटिंग की अवधारणा व उद्देश्यों की जानकारी, संवाद एवं विश्लेषण क्षमता, नवाचार स्काउट के रूप में कार्य करने की तत्परता तथा क्षेत्र स्तर पर नवाचारों की पहचान एवं दस्तावेजीकरण की प्रस्तावित कार्यप्रणाली के आधार पर किया गया। चयन समिति की सर्वसम्मति एवं अभ्यर्थियों के समग्र प्रदर्शन को दृष्टिगत रखते हुए मनोज चौधरी, सूरवीर सिंह किशनावत एवं दीपिका भाटिया का इंटर्न के रूप में चयन किया गया, जबकि आशीष कुमावत, विशाल प्रजापति एवं आशु देवतवाल को रिज़र्व सूची में सम्मिलित किया गया है। चयनित विद्यार्थियों का प्रशिक्षण नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के समन्वय से नोएडा में आयोजित किया जाएगा, जहां उन्हें नवाचार स्काउटिंग, नवाचारों के दस्तावेजीकरण की वैज्ञानिक पद्धतियों तथा क्षेत्र स्तर पर कार्य करने से संबंधित व्यावहारिक एवं क्षमता-वर्धन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। राज्य नवाचार परिषद द्वारा चयनित विद्यार्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे 9 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे परिषद कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी जॉइनिंग सुनिश्चित करें, जिसके संदर्भ में कार्यालय आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अभ्यर्थियों को प्रेषित की जा चुकी है। यह कार्यक्रम राजस्थान में नवाचार आधारित विकास को गति देने एवं राज्य के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के लिए सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने बैठक बुलाकर अधिकारियों को दिए निर्देश

शीतलहर के चलते अस्पतालों में व्यवस्था करने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिले में चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर ने मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक बुलाकर कर सुधार के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने शीतलहर के चलते वार्डो में भर्ती मरीजों के लिए गर्म कम्बल, हीटर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही सर्दी रोकथाम के लिए खिड़कियों में पर्दे लगाने और टूटे खिड़की दरवाजों आदि को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ ने सभी प्रभारियों संस्थान पर शीत लहर के उपचार के लिए आवश्यक दवाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल में शीतलहर से बचाव के उपाय बताकर जागरूक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि रेन बसेरों में टीम बनाकर भेजे और रेन बसेरों में रहने वालों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं उपलब्ध करवाए और उनकी लाइन लिस्ट अपने पास सुरक्षित रखे रिपोर्ट मुझे भिजवाए। सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने बीसीएमओ को निर्देश दिए कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के पालना में भविष्य में पोस्टमॉर्टम और एमएलसी रिपोर्ट ऑनलाइन मेडलीपार पोर्टल के माध्यम से ही करवाए ऐसा नहीं करने वाले संस्थानों के प्रभारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने लाडो योजना में भुगतान में पेंडेंसी वालों ब्लॉक को चेतावनी देते हुए तत्काल टीम बनाकर लाभार्थियों के आवश्यक दस्तावेज जो डिलीवरी के समय उपलब्ध नहीं करवाए थे उन्हें मंगवाकर भुगतान करवाए। टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग के टीम भेजकर सर्वे करवाए और कोई भी मरीज निक्षय पोषण किट से वंचित नहीं रहना चाहिए। सीएमएचओ ने निर्देश दिए कि ओपीडी में आने वाले मरीजों को आभा आई डी बनाने के लिए प्रेरित करें। बीसीएमओ अपने अधीन सभी संस्थाओं का बायोमेडिकल रजिस्ट्रेशन आवश्यक रूप से करवाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि दिव्यांग सर्टिफिकेट के लिए किसी दिव्यांग को परेशान न होना पड़े सीएचसी एस डी एच डीएच में इस संबंध में निर्देश देकर निगरानी करें। उन्होंने बीसीएमओ को अपने अधीन कण्डम भवनों को जमीदोश करवाने के निर्देश दिए। बैठक में आरसीएचओ डॉ दयानंद सिंह, डिप्टी सीएमएचओ बी एल सर्वा, डीटीओ विजय कुमार, सभी जिला अस्पताल एवं उप जिला अस्पताल पीएमओ एवं सभी बीसीएमओ मौजूद रहें।

'वीबी–जी राम जी' ग्रामीण भारत के सपनों की नई उड़ान:– मदन राठौड़

गरीब को रोजगार और गांव का विकास भाजपा का लक्ष्य:– मदन राठौड़

गरीब के 1 रूपए के हक में से 85 पैसे खाने वाले मचा रहे है हाय–तौबा :– मदन राठौड़

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर, । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष द्वारा 'विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन' (वीबी–जी रामजी) के नाम को लेकर किए जा रहे विरोध पर कड़ी प्रतिकिया दी। राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस को राम नाम से ही आपत्ति है, भाजपा ने रोजगार और आजीविका मिशन में विकसित भारत जोड़ते हुए नया कानून बनाया, तो इसमें विपक्ष को ऐतराज नहीं होना चाहिए। योजनाओं के नाम तो कांग्रेसियों ने स्वयं ने बदला और अपने एक ?ही परिवार के लोगों को खुश करने के लिए उनके नाम से योजनाएं शुरू कर दी। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम योजना का नाम राजीव गांधी ने जवाहर रोजगार योजना किया, फिर मनमोहन सरकार ने नरेगा और मनरेगा किया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने आवास योजना का नाम ग्रामीण आवास योजना से बदल कर इंदिरा आवास योजना कर दिया, ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का नाम राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना कर दिया, इन्होंने हर योजना में गांधी–नेहरू परिवार का नाम जोड़ने का काम किया, करीबन 600 योजनाओं के नाम इन कांग्रेसियों ने बदले, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी योजना का नाम अपने या किसी के नाम पर जोड़ने की बजाए सेवा, सनातन से जोड़ने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजभवन को लोकभवन, राजपथ को कर्तव्य पथ, रेसकोर्स रोड को लोक कल्याण मार्ग और प्रधानमंत्री कार्यालय को सेवा तीर्थ नाम करने का काम किया है। मोदी ने भारतीय दंड ?संहिता को भारतीय न्याय संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता करने का काम किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश के कांग्रेस सांसदों द्वारा सांसद निधि द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सूरजेवाला के पुत्र के निर्वाचन क्षेत्र में स्वीकृत करने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के सांसदों ने अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए सांसद निधि का बेजा इस्तेमाल किया। यह उनकी क्षेत्र की जनता के साथ धोखाधडी है। उन्होंने कहा कि सांसद निधि जनता को राहत देने के लिए है, ना कि आकाओं को खुश करने और उनके कृपा पात्र बने रहने के लिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वीबी–जी रामजी के माध्यम से 125 दिन की रोजगार गारंटी मिलेगी, वहीं पहले 100 दिन की मिलती थी। पहले कार्य या तो कागजों में होते थे, या बिना जरूरत के किए जाते थे, अब ग्राम सभा गांव के विकास के लिए काम को तय करेगी और उसके आधार पर जल संरक्षण संबंधित कार्य, बुनियादी ढ़ांचा विकसित करने, आजीविका सरंचना निर्माण और आपदा से लड़ने की तेयारियों के काम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से ना केवल साल में 125 दिन अधिक काम मिलेगा, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, पैसा सीधा लाभार्थी के खाते में जाएगा। राजीव गांधी ने स्वयं स्वीकार किया था कि एक रूपए केंद्र से चलता है, 15 पैसा लोगों तक पहुंचता है, ऐसे में इस कानून का विरोध वो लोग कर रहे है जो जनता के हक का 85 पैसा खा जाते थे, ऐसे लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार में तत्कालीन ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री रमेशचंद्र मीणा ने खुद स्वीकार किया था कि बाड़मेर और नागौर जिले में मनरेगा में 300 करोड़ का घोटाला हुआ था।

सरकारी नौकरी का झूठा दावा कर शादी, दहेज प्रताड़ना का मामला

फरार आरोपी मनीष को पचेरी कलां पुलिस ने मेड़ता सिटी से किया गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

सरकारी नौकरी में होने का झूठा दावा कर विवाह करने और बाद में दहेज प्रताड़ना करने के मामले में फरार चल रहें आरोपी मनीष सिंह को पुलिस थाना पचेरी कलां की टीम ने मेड़ता सिटी से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थानाधिकारी बनवारी लाल यादव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा की गई।पुलिस के अनुसार परिवादिया ने थाना पचेरी कलां में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि आरोपी मनीष सिंह ने स्वयं को सेना का ब्लैक बेरेट्स कमांडो बताते हुए तीन स्टार कैप्टन पद पर कार्यरत होने का दावा किया था। उसने यह भी कहा कि वह सेना में विशेष कमांडो कोर्स कर चुका है और करीब ढाई लाख रुपये प्रतिमाह वेतन प्राप्त करता है। इन दावों पर विश्वास कर पीड़ित के पिता ने बेटी का रिश्ता आरोपी से तय कर दिया। थानाधिकारी बनवारी लाल यादव ने बताया कि रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया कि शादी से करीब दस दिन पहले आरोपी पक्ष ने दहेज में 21 लाख रुपये नकद, एक एसयूवी कार, एयर कंडीशनर, सोने चांदी के आभूषण, कपड़े, फर्नीचर सहित अन्य सामान की मांग रख दी। उस समय शादी के निमंत्रण पत्र बांटे जा चुके थे तथा हलवाई और टेंट की बुकिंग भी हो चुकी थी। सामाजिक प्रतिष्ठा और बेटी के सम्मान को बचाने के लिए परिवादिया के पिता को अपनी हैसियत से अधिक खर्च करना पड़ा। दिनांक 6 मई 2025 को लगन की रस्म के दौरान आरोपी की मांग पर कपड़े, घरेलू सामान, बर्तन, आभूषण तथा 11 लाख रुपये नकद दिए गए। शादी के बाद पीड़ित को दहेज के लिए लगातार तंग और परेशान किया जाने लगा। इसी दौरान उसे यह जानकारी मिली कि उसके पति का सेना में कोई पद या नौकरी नहीं है और उसने झूठा दावा कर धोखे से विवाह किया है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी द्वारा उसके साथ निरंतर क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया और साक्ष्य एकत्र किए। नामजद आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित कर जोधपुर क्षेत्र में दबिश दी गई। बाद में आरोपी के मेड़ता सिटी में होने की सूचना मिलने पर पुलिस ने वहां से उसे दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से गहन अनुसंधान जारी है।

पुलिस टीम में थानाधिकारी बनवारी लाल यादव, हेड कांस्टेबल विक्रम, कांस्टेबल रोहीताश और कांस्टेबल कृष्ण शामिल रहे। गिरफ्तार आरोपी मनीष सिंह पुत्र दलीप सिंह राजपूत निवासी सुजातनगर थाना सरूण्ड जिला जयपुर ग्रामीण तथा हाल निवासी तिवरी थाना मथानिया जिला जोधपुर बताया गया है।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत अपराध शाखा टोहाना की बड़ी कार्रवाई, आरोपी सहित हेरोइन बरामद

आरोपी कीर्ति से 8.16 ग्राम हेरोइन बरामद, न्यायालय में पेश किया जाएगा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत अपराध अपराध शाखा टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को हेरोइन सहित काबू किया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कीर्ति पुत्र शंकर, निवासी वार्ड नंबर 11, नजदीक बस अड्डा नारनौंद, जिला हांसी, हाल तिलक नगर टोहाना, हेरोइन बेचने का प्रयास कर रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तत्परता से काबू किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से पारदर्शी मोमी पाउच में 8.16 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में आरोपी के खिलाफ मामला 13/26 धारा 21-B / 61 / 85 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। बरामद नशीले पदार्थ को उचित प्रक्रिया के तहत नमूना और मोहरबंद कर प्रयोग हेतु सुरक्षित रखा गया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा और मामले की आगामी जांच जारी है।

मूलनिवासी बहुजन कलेंडर 2026 का हुआ विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । डॉ. भीमराव अंबेडकर चैरिटेबल ट्रस्ट नवलगढ़ में जोखीरामजी का कुआं के पास रविंद्र पब्लिक स्कूल में माता सावित्रीबाई फुले की जयंती समारोह का आयोजन किया गया व मूलनिवासी बहुजन कैलेंडर 2026 (12 वें संस्करण) का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नवलगढ़ सीबीईओ आत्माराम थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि देहदानी मंगतू राम खत्री, विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी दीपचंद पंवार, गोवर्धन निठारवाल ,डॉ रामचंद्र पूर्व बीसीएमओ, ओमप्रकाश सेन सेवानिवृत प्रधानाध्यापक, भोलाराम जागृत सेवानिवृत प्रधानाध्यापक, अनीता सुनिया प्रधानाचार्य, देहदानी व ट्रस्ट अध्यक्ष चौथमल सोकरिया, देहदानी प्रेमलता सोकरिया ,देहदानी प्रभु दयाल जागृत, देहदानी मंगली देवी, बसपा नेता गुलाम नबी आजाद, पूर्व प्रधानाचार्य भंवर सिंह तंवर, पूर्व प्रधानाचार्य मूलचंद वर्मा, गणेश नारायण खत्री पूर्व सहायक आयकर आयुक्त आयकर अधिकारी बाबूलाल कटारिया, पूर्व उपनिदेशक रोहिताश सुनिया, व्याख्याता रोहिताश रोलन व्याख्याता, नरेश रोलन व्याख्याता, पूर्व प्रधानाचार्य जुगल किशोर केरोडिया, पूर्व व्याख्याता सांवरमल सेन, भीमा सरपंच विनोद देवी, संतोष देवी कुलदीप, मक्खन लाल सैनी, सैनी समाज अध्यक्ष सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे। पूर्व अध्यक्ष रामनाथ सिंह सुरेला ने ट्रस्ट का परिचय देते हुए स्वागत भाषण दिया ।समस्त वक्ताओं ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके पद चिन्हों पर चलकर समाज सुधार में अपना सहयोग देने के लिए आगंतुक लोगों का आह्वान किया। वक्त नरसिंह राव गुजराती भीम आर्मी ने युवाओं का आह्वान करते कुरीतियां छोड़ने का आवाहन किया। इस कार्यक्रम में पांच देहदानी व्यक्तियों का सम्मान,साथ ही नेशनल वालीबॉल और सॉफ्टबॉल खिलाड़ी आयुषी नारवरा, समाज सेवा में सहयोग देने वाले अमरचंद पेंटर और गरीबों के लिए निशुल्क पैरवी करने वाले दंपति एडवोकेट धर्मपाल बंसीवाल एवं सरोज बंसीवाल का भी प्रमाण पत्र व भीम डायरी तथा पंचशील पट्टा प्रदान करके सम्मान किया गया। सभी उपस्थित जनों को मूल निवासी बहुजन कैलेंडर 2026 वितरित किया गया जिससे बहुजन महापुरुषों की विचारधारा घर-घर तक पहुंच सके। कार्यक्रम का संचालन रामावतार सबलानिया स्काउट मास्टर ट्रेनर द्वारा किया गया। अंत में ट्रस्ट अध्यक्ष चौथमल सोंकरिया द्वारा सबका आभार व्यक्त किया गया।

श्री श्री 1008 चंद्रनाथ महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । शहर के मानपुरा, फूट का बास हनुमान डूंगरी पर स्थित हनुमान जी महाराज के मंदिर में श्री जीवन नाथ महाराज के सानिध्य में सतगुरु महंत बाल योगेश्वर श्री श्री 1008 चंद्रनाथ महाराज को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। चंद्रनाथ जी महाराज 27 दिसंबर को अपने नश्वर शरीर को छोड़कर देवलोक चले गए थे। मंदिर में उनके शिष्य जीवन नाथ जी महाराज, भगवान नाथ जी, शंकरलाल जी सहित कई संत भक्तगण व ग्रामीणों ने अपने गुरु चंद्रनाथ महाराज बगड़ धाम (झुंझुनू) के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित करके सत्संग किया। कलाकारों द्वारा गरीबनाथ महाराज, चंद्रनाथ महाराज की जीवनी पर भजन व गुरु महिमा गाई। कोतवाल शंकर लाल खंडेलवाल निवासी जाहोता (जयपुर) ने बताया कि मंदिर में चंद्रनाथ महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की एवं पौषबड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें हजारों लोगों ने हलवा-पकौड़ी की पंगत प्रसादी ग्रहण की।

आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद की बड़ी कार्रवाई; विदेशी वीजा लगवाने के नाम पर ठगी करने वाली आरोपियां गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद ने विदेश वीजा लगवाने के नाम पर ठगी करने वाली आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियां को न्यायालय में पेश किया जाएगा। आर्थिक अपराध शाखा प्रभारी निरिक्षक सन्दीप ने बताया कि शिकायतकर्ता हरप्रत 7056567524, VPO नरेला खेरा (सिरसा) ने शिकायत दी थी कि आरोपी प्रियंका भाटिया, पुत्री सोहन लाल, निवासी दादरी, गोतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, ने न्यूज़ीलैंड वीजा लगवाने के नाम पर उनसे कुल 2,91,500 रुपये ठगी की। आरोपी ने विभिन्न तारीखों पर नकद और ऑनलाइन माध्यम से पैसे ऐड़कर शिकायतकर्ता को गुमराह किया और बाद में फोन भी नहीं उठाना शुरू कर दिया। शिकायत पर मामला 364/2025, धारा 406, 420 भा.द.स. के तहत शहर टोहाना में दर्ज किया गया था।आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद ने मामला दर्ज करते हुए आरोपियां प्रियंका भाटिया उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया। मामले की आगामी जांच जारी है।

सरकार ने हाईकोर्ट में कहा-SI भर्ती रद्द करना गलत

एकलपीठ ने नियम दरकिनार किए, जांच एजेंसी सही और गलत की छंटनी करने में सक्षम

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । सब इंस्पेक्टर (SI) भर्ती-2021 मामले में हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में सुनवाई में सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा- सिंगल बेंच में दायर याचिका मेंटेनेबल ही नहीं थी। सिंगल बेंच ने इसे दरकिनार कर मेरिट पर सुनवाई करते हुए भर्ती को रद्द करने का फैसला सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने RPSC के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर ईडी की चार्जशीट को रिकॉर्ड पर लेने के लिए हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया है। स्ब्र भर्ती रद्द करने और RPSC के सदस्यों के खिलाफ की गई एकलपीठ की टिप्पणियों के खिलाफ दायर अपीलों पर हाईकोर्ट की खंडपीठ सुनवाई कर रही है।

ऐसे में एकलपीठ के याचिकाकर्ताओं ने खंडपीठ के समक्ष प्रार्थना पत्र दायर करके कहा कि ग्रेड सेकेंड टीचर भर्ती-2022 में पेश ईडी की चार्जशीट में पेपर लीक और RPSC सदस्यों की कार्यशैली को लेकर कई खुलासे हुए हैं। इसलिए खंडपीठ ईडी को निर्देश दे कि वे दायर चार्जशीट हाईकोर्ट के समक्ष रखें।

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में सरकार, चयनित अभ्यर्थियों और RPSC के पूर्व सदस्यों की ओर से दायर अपीलों पर मंगलवार को सुनवाई अधूरी रही। सरकार की ओर से बहस की शुरुआत करते हुए महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि जांच एजेंसी पेपर लीक में सही और गलत की छंटनी करने में सक्षम है। लेकिन इसके बाद भी एकलपीठ ने पूरी भर्ती को रद्द कर दिया। इस मामले में बुधवार को फिर सरकार की बहस के साथ सुनवाई शुरू होगी। प्रतिवादी के अधिवक्ता हरेंद्र नील ने बताया- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बाबूलाल कटारा ने ईडी की पूछताछ में कबूल किया है कि वह 1.20 करोड़ की डील से RPSC सदस्य बना था। इसके लिए उसने कांग्रेस के तत्कालीन जिलाध्यक्ष दिनेश खोड़निया को 40 लाख रुपए भी दिए। उन्होंने बताया- ईडी ने चार्जशीट में खुलासा किया है कि RPSC सदस्य किस तरह सिफारिश के आधार पर इंटरव्यू में चहेते अभ्यर्थी को फायदा पहुंचाते थे। SI भर्ती पेपर लीक में भी इन्हीं RPSC सदस्यों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। ऐसे में ईडी की चार्जशीट को रिकॉर्ड पर लिया जाए।

रतनगढ़ में शिवबाड़ी के पास गोचर भूमि पर अतिक्रमण

भीम प्रज्ञा न्यूज

रोकने की मांग को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

चूरू । चूरू जिले के रतनगढ़ में शिवबाड़ी के पास गोचर भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। मोहल्लेवासियों ने इस संबंध में एसडीएम मिथिलेश कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि शिवबाड़ी के पास स्थित श्रीकृष्ण गोशाला के निकट गोचर भूमि का एक रास्ता है, जिस पर अतिक्रमण किया जा रहा है। अतिक्रमण के कारण रास्ते की चौड़ाई कम हो रही है, जिससे आवागमन बाधित होने की आशंका है। इसके अतिरिक्त, उसी स्थान पर स्थित 'होली धोरा' की भूमि पर भी कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया है। इस अवैध अतिक्रमण को लेकर स्थानीय लोगों में काफी रोष है। ज्ञापन के माध्यम से एसडीएम से मांग की गई है कि उक्त गोचर भूमि और होली धोरा को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में मोहसिन, इमरान, हकीम, जमील, हुसैन, रजाक, फारूक, अरमान, साहिद, आरिफ, सोयब, अयूब और शरीफ सहित मोहल्ले के कई लोग शामिल थे।

महिला टी20 रैंकिंग में हरमनप्रीत कौर का जलवा, गेंदबाजी में दीप्ति को नुकसान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन का इनाम पाया है। मंगलवार को जारी ICC महिला टी20 की ताजा रैंकिंग में हरमनप्रीत बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

निर्णायक पारी से बदली रैंकिंग

तिरुवनंतपुरम में खेले गए अंतिम टी20 मुकाबले में हरमनप्रीत ने 43 गेंदों पर 68 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारत ने यह मुकाबला 15 रन से जीता और 30 दिसंबर को समाप्त हुई सीरीज में श्रीलंका का 5-0 से क्लीन स्वीप किया।

शीर्ष 10 के करीब हरमनप्रीत

इस शानदार पारी के बाद हरमनप्रीत अब बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 के और करीब पहुंच गई हैं। भारतीय बल्लेबाजों में स्मृति मंधाना तीसरे और शेफाली वर्मा छठे स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी ने बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है। हालांकि जेमिमा रोड्रिग्स को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह शीर्ष 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गई हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति को झटका

गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शीर्ष स्थान से फिसल गई हैं। पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उन्होंने 28 रन देकर एक विकेट लिया, लेकिन यह प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को शीर्ष पर पहुंचने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। दीप्ति और सदरलैंड के बीच अब सिर्फ एक रेटिंग अंक का अंतर है सदरलैंड के 736 अंक हैं।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

भारतीय बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरनी ने शानदार उछाल लगाते हुए पांच स्थान की छलांग के साथ 47वां स्थान हासिल किया। श्रीलंका की कविशा दिलहारी एक स्थान ऊपर चढ़कर 32वें और कप्तान चमारी अटापट्टू तीन स्थान के सुधार के साथ 48वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

मलेशिया ओपन 2026: लक्ष्य सेन की दमदार शुरुआत, दूसरे राउंड में किया प्रवेश

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में नए सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। लक्ष्य ने कड़े मुकाबले में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को तीन गेम तक चले मैच में हराया। वहीं, महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड़ को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य सेन ने संघर्षपूर्ण जीत के साथ किया आगाज

24 वर्षीय लक्ष्य सेन ने विषम परिस्थितियों से जूझते हुए विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर काबिज जिया हेंग जेसन तेह को 70 मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 15-21, 21-14 से शिकस्त दी। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने लंबी रैलियों और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पिछले सत्र के अंत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाले लक्ष्य ने इस जीत के साथ अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखा है।

दूसरे दौर में कठिन चुनौती के लिए तैयार लक्ष्य

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन का अगला मुकाबला फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव और हांगकांग के ली चेउक यिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। यह मुकाबला लक्ष्य के लिए टूर्नामेंट में आगे की राह तय करने में अहम साबित होगा।

मालविका बंसोड़ की वापसी पर ब्रेक

महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड़ की वापसी निराशाजनक रही। बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने बाद कोर्ट पर लौटीं मालविका को पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन से 11-21, 11-21 से सीधे गेमों में हार झेलनी पड़ी। हालांकि, चोट के बाद वापसी कर रही मालविका के लिए यह टूर्नामेंट लय हासिल करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी नहीं चला शुभमन गिल का बल्ला, सस्ते में लौटे पवेलियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की सीमित ओवरों में खराब फॉर्म का सिलसिला जारी है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में गोवा के खिलाफ पंजाब की ओर से खेलते हुए गिल रनचेज में खास प्रभाव नहीं छोड़ सके और सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब को 212 रन का लक्ष्य मिला था।

गोवा के अनुभवी गेंदबाज ने किया गिल का शिकार

पंजाब की पारी के दौरान शुभमन गिल ने शुरुआत में अर्जुन तेंदुलकर और वासुकी कौशिक के खिलाफ एक-एक चौका जरूर लगाया, लेकिन पांचवें ओवर की पहली गेंद पर वासुकी कौशिक ने उन्हें चलता कर दिया। गिल 12 गेंदों में 11 रन बनाकर सुयश प्रभुदेसाई को कैच दे बैठे। यह वही मुकाबला था, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम से बाहर होने के बाद गिल का पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

10 महीने से जारी है सफेद गेंद क्रिकेट में अर्धशतक का सूखा

शुभमन गिल का सफेद गेंद क्रिकेट में खराब दौर चिंता बढ़ा रहा है। उन्हें आखिरी बार 10 महीने पहले अर्धशतक बनाते देखा गया था। इसके बाद से उन्होंने 7 वनडे, 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय और अब विजय हजारे ट्रॉफी का एक मुकाबला खेला है, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं आई।

हालांकि इसके उलट, टेस्ट क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। 2025 में खेले गए टेस्ट मैचों में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, भले ही चोट के कारण वह गुवाहाटी टेस्ट और ईडन गार्डन्स में रनचेज का हिस्सा नहीं बन सके।

स्टीव स्मिथ शतक लगाकर एशेज में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी, 06 जनवरी (वेब वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने मंगलवार को एक शानदार शतक लगाकर एशेज के इतिहास में अपना नाम और मजबूती से दर्ज कराया। वह इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जैक हॉब्स को पीछे छोड़कर एशेज इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने अपना 37वां टेस्ट शतक बनाया, जब उन्होंने ट्रैविस हेड के शानदार 163 रनों की बदौलत मिली मजबूत नींव पर पारी को आगे बढ़ाया। इससे मेजबान टीम इंग्लैंड के पहली पारी के कुल स्कोर को पार करने में सफल रही और सीरीज़ के आखिरी टेस्ट में एक महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

इस प्रक्रिया में, स्मिथ ने हॉब्स के 3,636 एशेज रनों के आंकड़े को पार कर लिया और अब वह ऑल-टाइम लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। 36 वर्षीय खिलाड़ी एशेज शतकों की सूची में भी दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, इंग्लैंड के खिलाफ उनके 13 शतकों से ज़्यादा सिर्फ ब्रैडमैन के 19 शतक हैं। स्मिथ का एशेज का सफर 2010 में पर्थ में शुरू हुआ था, हालांकि इस मशहूर प्रतिद्वंद्विता में अपना पहला शतक लगाने में उन्हें 15 पारियां लगीं, जो 2013 में द ओवल में आया था। तब से, वह इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए लगातार परेशानी का सबब बने हुए हैं, उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2019 में इंग्लैंड में हुए एशेज के दौरान आया था, जहां उन्होंने 110.57 के शानदार औसत से 774 रन बनाए थे।

सिडनी में बनाया गया शतक स्मिथ का मौजूदा सीरीज का पहला और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के तौर पर 18वां शतक था। खास बात यह है कि कप्तान के तौर पर उनके छह शतक इंग्लैंड के खिलाफ आए हैं, जो किसी भी विरोधी टीम के खिलाफ कप्तान के तौर पर बनाए गए सबसे ज़्यादा शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन की शुरुआत दो विकेट पर 166 रन से की, हेड ने अपना आक्रामक रवैया जारी रखा और अपना 12वां टेस्ट शतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आउट होने से पहले ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के कुल स्कोर के करीब पहुंचाने के लिए 63 रन और जोड़े। कैमरन ग्रीन के अच्छे साथ से स्मिथ ने फिर कमान संभाली, ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई और व्यक्तिगत मील के पत्थर हासिल करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के पहले तीन टेस्ट जीतकर पहले ही एशेज अपने नाम कर लिया था। हालांकि, इंग्लैंड ने मेलबर्न में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीत के लिए 14 साल का सूखा खत्म किया, जिससे उनका आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप अभियान ज़िंदा रहा।

अनाहत सिंह ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश के फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की। फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा। अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है और उनका लक्ष्य 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतियोगिता में अंडर19 खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनना है। इस बीच लड़कों के अंडर-17 वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आर्यवीर दीवान सेमीफाइनल में मिस्र के फिलोपेटर सालेह से 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए।

हेड ने सिडनी में शतक के साथ ही बनाया रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज टेविस हेड ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपना शतक पूरा किया। ये हेड का इस सीरीज में तीसरा शतक है। इसी के साथ ही हेड ने सात घरेलू मैदानों पर शतक लगाने का नया रिकार्ड अपने नाम किया है। हेड ने 105 गेंदों में 24 चौके और एक छक्के की सहायता से 166 गेंदों पर 163 रनों की पारी खेली। इसी के साथ ही हेड ने अपने टेस्ट करियर का 12वां शतक लगाया। ये इस सीरीज में उनका तीसरा शतक रहा। यह शतक हेड के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि उन्होंने पहली बार सिडनी क्रिकेट मैदान में कोई शतक लगाया है। इसी के साथ ही वह अब अपनी धरती पर सात अलग-अलग मैदानों पर टेस्ट शतक लगाने वाले विश्व के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में पहले से ही स्टीव वॉ, जस्टिन लैंगर, मैथ्यू हेडन और डेविड वॉर्नर शामिल हैं। हेड का ये 65वां टेस्ट मैच है। इससे पहले उन्होंने एडिलेड ओवल में लगातार चार टेस्ट शतक जबकि गाबा में दो शतक लगाये हैं। वहीं मेलबर्न क्रिकेट मैदान के अलावा पर्थ, होबार्ट, कैनबरा और अब सिडनी क्रिकेट मैदान में एक-एक शतक उनके नाम है। वहीं विदेशी धरती पर उनके नाम केवल एक शतक है। ये शतक उन्होंने इंग्लैंड के ओवल मैदान में साल 2021-23 में हुए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भारत के खिलाफ लगाया था। तब हेड ने 174 गेंदों पर 163 रनों की आक्रामक पारी खेली थी।

वैभव की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने दूसरे यूथ एकदिवसीय मैच में भी दक्षिण अफ्रीका को हराया

-सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के 68 रनों की आक्रामक पारी से भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका को वर्षा प्रभावित दूसरे यूथ एकदिवसीय मैच में आठ विकेट से हरा दिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने पहले मैच में भी 25 रनों से जीत दर्ज की थी। वैभव इस सीरीज में टीम की कप्तानी कर रहे हैं और उन्होंने इस मैच में अपना कप्तानी कौशल भी दिखाया।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जेसन राउल्स के 114 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 245 रन बनाये। इसके बाद वैभव की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने ये सीरीज आसानी से अपने नाम कर ली। इस मैच को बारिश के कारण दो बार रोका गया था। दूसरी बार मैच रोके जाने के बाद डकवर्थ लुइस नियम के तहत ही भारतीय टीम को जीत के लिए 27 ओवर में 174 रन का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने दो विकेट विकेट खोकर 23.3 ओवर में ही 176 रन बनाकर हासिल कर लिया। वेदांत त्रिवेदी 31 और अभिज्ञान कुंडू 48 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिज्ञान ने छक्का लगाकर इस मैच में भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मैच का आकर्षण वैभव की आक्रामक पारी रही। वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर आक्रामक शुरुआत की। इस बल्लेबाज ने 19 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। वैभव ने 24 गेंदों में 10 छक्के और एक चौका लगाकर 283 के स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाये। इस मैच में भारतीय टीम की गेंदबाजी भी अच्छी रही। भारत की ओर से किशन कुमार ने मैच में चार विकेट लिए जबकि आरएस अम्ब्रीश ने दो विकेट लिए। दीपेश देवेन्द्रन, कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

आईएसएल 14 फरवरी से होगा शुरु, सभी 14 क्लब होंगे शामिल : खेल मंत्री मांडविया ने किया ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल में पिछले कुछ समय से चल रही अनिश्चितता की स्थिति को समाप्त करते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को घोषणा की कि वाणिज्यिक साझेदार नहीं मिलने के कारण स्थगित हुई इंडियन सुपर लीग (ISL) 14 फरवरी से शुरू होगी। लीग में सभी 14 क्लब हिस्सा लेंगे। मांडविया ने AIFF (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) और ISL क्लबों के बीच यहां भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्यालय पर हुई बैठक के बाद मीडिया को बताया, 'इंडियन सुपर लीग 14 फरवरी से होगी जिसमें सभी क्लब भाग लेंगे। आज सरकार, AIFF और सभी क्लबों के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। पिछले कुछ समय से भारतीय फुटबॉल को लेकर अदालत में चल रहे विवाद के कारण ISL के आयोजन को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी जिस पर अब विराम लग गया।' AIFF अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इस मौके पर बताया, 'ISL के संचालन के लिए संचालन परिषद बोर्ड का गठन होगा। ISL में 14 टीमों के 91 मैच एक चरण में होम (घरेलू) और अवे (प्रतिद्वंद्वी टीम का घरेलू मैदान) आधार पर खेले जाएंगे।' चौबे ने कहा कि मैच कहां होंगे, यह क्लब AIFF के साथ मिल कर तय करेंगे। उन्होंने कहा, 'आई लीग में 11 टीमों के बीच 55 मैच खेले जाएंगे जो ISL के साथ ही आरंभ होगी। इसमें आईलीग-दो और आईलीग-तीन में 33 के बजाए 40 टीमें होंगी।' उन्होंने बताया कि ISL के लिए 25 करोड़ रुपए का एक कैप (खर्च की सीमा) बनाया गया है जिसमें 10 प्रतिशत AIFF, 15 प्रतिशत क्लब 30 प्रतिशत व्यावसायिक साझेदार वहन करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब तब व्यावसायिक साझेदार नहीं मिल जाता तब तक AIFF कुल 40 प्रतिशत खर्च वहन करेगा।' उन्होंने कहा कि AIFF का कुल योगदान 14 करोड़ रुपए होगा जिसमें 10 करोड़ ISL और 3.2 करोड़ आई लीग के लिए होंगे।' IWL (इंडियन वुमेन लीग) का शत प्रतिशत फंड AIFF का होगा।

विराट कोहली के संन्यास पर सवाल, संजय मांजरेकर ने जताया अफसोस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशेज 2025 के पांचवें टेस्ट ने टेस्ट क्रिकेट की महानता और निरंतरता की नई मिसाल पेश की। इंग्लैंड के जो रूट और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने शतक जड़कर एक बार फिर साबित किया कि क्यों उन्हें आधुनिक युग के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज़ों में गिना जाता है। इसी बीच, पूर्व भारतीय बल्लेबाज़ संजय मांजरेकर ने विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सवाल उठाया कि जब उनके समकालीन नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, तब कोहली का इस फॉर्मेट से दूर जाना कितना सही था।

जो रूट का 41वां टेस्ट शतक : ऐतिहासिक उपलब्धि

एशेज के पांचवें टेस्ट के पहले दिन जो रूट ने अपना 41वां टेस्ट शतक पूरा किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट के लगभग 150 साल के इतिहास में सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए। रूट ने रिकी पोंटिंग की बराबरी की और अब उनसे आगे सिर्फ़ सचिन तेंदुलकर (51 शतक) और जैक्स कैलिस (45 शतक) हैं। यह उपलब्धि रूट की निरंतरता और तकनीकी मजबूती का प्रमाण है।

स्टीव स्मिथ का करारा जवाब

रूट के शतक के ठीक एक दिन बाद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने भी बल्ले से जवाब दिया। उन्होंने अपना 37वां टेस्ट शतक पूरा किया, जो एशेज इतिहास में उनका 13वां शतक था। एशेज में इतने शतक लगाने वाले वह दूसरे बल्लेबाज़ बन गए हैं, उनसे आगे सिर्फ़ महान डॉन ब्रैडमैन हैं। स्मिथ की यह पारी एक बार फिर उनकी असाधारण टेस्ट क्षमता को दर्शाती है।

'फैब फोर' की चमक और कोहली की अनुपस्थिति

इन प्रदर्शनों के बीच संजय मांजरेकर ने 'फैब फोर' के चौथे सदस्य विराट कोहली की गैरमौजूदगी पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि जब रूट, स्मिथ और केन विलियमसन टेस्ट क्रिकेट में लगातार ऊंचाइयों को छू रहे हैं, तब कोहली का इस फॉर्मेट से हट जाना दुखद है। मांजरेकर के मुताबिक, कोहली के करियर के आखिरी पांच वर्षों में टेस्ट औसत गिरने के कारणों की गहराई से तलाश नहीं हो पाई।

केन विलियमसन की वापसी से तुलना

मांजरेकर ने केन विलियमसन का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने करीब एक साल तक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने के बावजूद वापसी की। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज़ से पहले उन्होंने घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलकर खुद को तैयार किया। यह दिखाता है कि लंबे ब्रेक के बाद भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी संभव है, अगर खिलाड़ी इसके लिए प्रतिबद्ध हो।

कोहली के फॉर्म में गिरावट और संन्यास

2020 से पहले विराट कोहली को कई लोग 'फैब फोर' में सबसे आगे मानते थे। हालांकि महामारी के बाद उनके टेस्ट फॉर्म में तेज गिरावट आई। ऑफ स्टंप के बाहर गेंदों पर कमजोरी उनके करियर के आखिरी दौर में उजागर हुई। मई 2025 में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जबकि उनका करियर औसत 46.85 रहा।

टेस्ट क्रिकेट से दूरी पर मांजरेकर की आपत्ति

मांजरेकर ने यह भी कहा कि उन्हें कोहली का टेस्ट क्रिकेट छोड़कर वनडे खेलते रहना अधिक निराशाजनक लगा। उनके अनुसार, टेस्ट क्रिकेट ही वह फॉर्मेट है जो बल्लेबाज़ को सबसे ज़्यादा परखता है। कोहली की फिटनेस को देखते हुए, उन्हें लगता है कि पूर्व कप्तान चाहें तो फर्स्ट क्लास क्रिकेट के जरिए वापसी की एक और कोशिश कर सकते थे।

आधुनिक टेस्ट क्रिकेट की कहानी

रूट, स्मिथ और विलियमसन के मौजूदा प्रदर्शन यह साबित करते हैं कि आधुनिक युग में भी टेस्ट क्रिकेट सर्वोच्च चुनौती बना हुआ है। ऐसे में विराट कोहली की अनुपस्थिति इस कहानी का एक अधूरा अध्याय बनकर रह गई है, जिस पर क्रिकेट जगत में चर्चा जारी है।

अमेरिकी टेनिस लीजेंड वीनस विलियम्स ऑकलैंड में पहले दौर में हारीं

वेलिंगटन। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 वीनस विलियम्स मंगलवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक में अपने पहले मैच में पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेट में हार गईं। 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन विलियम्स ने महिला टेनिस एसोसिएशन 250 इवेंट में वापसी करते हुए अच्छे संकेत दिखाए, जो 2 से 17 जनवरी तक चलेगा। दुनिया में 53वें नंबर पर मौजूद लिनेट ने 6-4, 4-6, 6-2 से जीत हासिल कर दूसरे राउंड में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला इटली की एलिसाबेटा कोकियारेटो से होगा। लिनेट ने कहा, 'मुझे लगा कि मैं कम गलतियां कर सकती थी, खासकर इतने पावरफुल हिटर के साथ, मुझे थोड़ा और सॉलिड होने की जरूरत है।' वाइल्डकार्ड एंट्री पाने वाली विलियम्स, जो 582वें नंबर पर हैं, ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी प्रतिद्वंद्वी ने शानदार खेला। वह निश्चित रूप से जीत की हकदार थी।' 45 साल की खिलाड़ी, जो अगस्त में यूएस ओपन के बाद अपना पहला मैच खेल रही थीं, ने कहा कि इस स्टेज पर उनका मुख्य फोकस इस महीने के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले मैच फिटनेस और लय बनाना है। इस हार से टूर्नामेंट के कुछ बड़े नामों के लिए मुश्किल शुरुआत हुई, जब सोमवार को दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी एम्मा नवारो टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गईं।

भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए सेकेंड लेफ्टिनेंट खेत्रपाल की सच्ची कहानी है इक्कीस

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की फिल्म इक्कीस साल 1971 भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है और उनकी ये आखिरी फिल्म गजब है। यही वजह है कि ओपनिंग डे पर धुरंधर जैसी गजब ढाने वाली फिल्म के सामने भी फिल्म को दर्शक मिल रहे हैं। चलिए जान लेते हैं फिल्म की ओपनिंग डे की कमाई। श्रीराम राघवन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 4:05 बजे तक 3.2 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

बता दें कि ये आंकड़ा अभी शुरुआती है। फाइनल डेटा आने के बाद इसमें बदलाव हो सकता है। अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य की फिल्म को एबीपी न्यूज़ ने अपने रिव्यू में 4 स्टार देते हुए लिखा है कि अगस्त्य नंदा की एक्टिंग इतनी कमाल है कि वो शहीद अरुण खेत्रपाल के किरदार को पूरी तरह से जी गए हैं और उन्होंने दिखा दिया है कि वो अमिताभ बच्चन के नाती हैं। धर्मेंद्र की तारीफ में इसी रिव्यू में लिखा है कि धर्मेंद्र को देखना अपने आप में एक इमोशन है।

फिल्म का पूरा रिव्यू आप यहां पढ़ सकते हैं। इस फिल्म को स्त्री 2 और थामा जैसी फिल्में बनाने वाले दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म ओपनिंग डे पर फिल्म का प्रीडिक्शन 3.5 करोड़ रुपये था। और फिल्म शुरुआती घंटों में ही इससे ज्यादा कमा चुकी है। यानी फिल्म आगे आने वाले दिनों में बहुत जल्द हिट फिल्म बनने की ओर बढ़ सकती है।

फिल्म द राजा साब में अलग भूमिका में दिखने वाले हैं प्रभास

सुपरस्टार प्रभास अपनी आगामी फिल्म द राजा साब में एक अलग भूमिका में दिखने वाले हैं। प्रभाष की यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 रिलीज होगी। इससे पहले प्रभास की एक और मोस्ट अवेटेड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी 2' को लेकर एक ताजा खबर सामने आई हैं। इसे जानने के बाद फैंस खुशी से झूम उठेंगे। आकाशवाणी की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रभास की 'कल्कि 2898 एडी' ने दर्शकों को जबरदस्त पसंद किया और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया। फिल्म के क्लिफहैंगर एंडिंग ने सीक्वल के लिए उम्मीदें बढ़ाईं। अब इसके लिए मेकर्स तैयार हो चुके हैं। सब कुछ रहा तो 'कल्कि 2898 एडी पार्ट 2' की शूटिंग फरवरी 2026 से शुरू हो सकती हैं। हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रभास खुद अभी संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट की

शूटिंग में बिजी हैं। ऐसे में 'कल्कि 2898 एडी पार्ट 2' के लिए उनके फैंस को थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका पादुकोण के फिल्म बाहर होने के बाद उनके रोल के लिए अब तक किसी नई एक्ट्रेस की पुष्टि नहीं हुई है।

हालांकि फिल्म की नई हीरोइन के रूप में आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा के नाम का चर्चाएं जारी हैं। कल्कि 2898 एडी की कहानी महाभारत के बाद की घटनाओं पर आधारित है। जहां अश्वत्थामा को भगवान श्री कृष्ण द्वारा भगवान विष्णु के अवतार की रक्षा का जिम्मा सौंपा जाता है। फिल्म में 2898 एडी की दुनिया में एक नई शक्ति यास्किन का उदय होता है, जो अपने लोगों पर शासन करता है। इसका अंत एक विशाल और महाकाव्य कहानी के लिए रास्ता खोलता है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

पुराने दिनों को याद कर भावुक हुई कविता कौशिक

टीवी अभिनेत्री कविता कौशिक ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने जीवन के उन पुराने रूपों को याद किया। । पोस्ट का शीर्षक था मेरे वो रूप जिन्हें मैं आज भी याद करती हूं। इस पोस्ट में कविता ने अपने निजी अनुभवों और जीवन में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि समय, अनुभव और परिस्थितियों ने उन्हें बदल दिया है। कविता ने लिखा, मैं अपनी जिंदगी के कुछ हिस्सों को पीछे छोड़ चुकी हूं, लेकिन उनकी यादें आज भी मेरे दिल में जिंदा हैं। जब पापा साथ थे, तब बेफिक्र थी। पिता का साया खोना किसी भी इंसान के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव लेकर आता है। कविता ने अपने पुराने रूपों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें वह शांत और कोमल लड़की याद आती है, जो स्कूल की यूनिफॉर्म के पीछे छिपी रहती थी और जिसे कोई ठीक से नहीं समझ पाया। साथ ही वह छोटी सी बच्ची भी उन्हें याद आती है, जिसे बस खेल-कूद में मज़ा आता था और जो जिंदगी की जिम्मेदारियों से बेफिक्र थी। इसके अलावा, कविता ने अपने भीतर की निडर और साहसी लड़की को भी याद किया, जो बिना सोचे-समझे जोखिम लेने का हौसला रखती थी। उन्होंने लिखा, कभी मेरे अंदर ऐसा आत्मविश्वास था कि मैं दुनिया में कुछ भी कर सकती हूं, लेकिन अब मैंने इन सभी रूपों को अलविदा कह दिया है। शायद किसी बेहतर दुनिया में इन पुराने रूपों से फिर मुलाकात होगी। पोस्ट के साथ कविता ने कुछ खास तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उनके बचपन की झलक दिखती है। कुछ तस्वीरों में वह अपने दिवंगत पिता के साथ बिताए खूबसूरत पलों में मुस्कुराती नजर आ रही हैं। यह पोस्ट उनके फैंस और फॉलोअर्स के लिए भावनात्मक और सोचने पर मजबूर करने वाला अनुभव साबित हुआ। बता दें कि टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में अक्सर कलाकारों को कैमरे के सामने हंसते-खिलखिलाते देखा जाता है, लेकिन ऑफ-कैमरा उनका जीवन कई बार चुनौतीपूर्ण होता है।

द्रौपदी 2 को सीबीएफसी ने दी यू/ए सर्टिफिकेट

अनकमिंग ऐतिहासिक फिल्म द्रौपदी 2 को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही थी। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने इस तमिल-तेलुगु ऐतिहासिक ड्रामा को यू/ए सर्टिफिकेट दे दिया है, जिससे फिल्म की सिनेमाघरों में रिलीज़ का रास्ता साफ हो गया है। निर्देशक मोहन जी ने इस महत्वपूर्ण अपडेट को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि फिल्म इतिहास के उन पन्नों को सामने लाएगी, जिन पर अब तक बहुत कम चर्चा हुई है। द्रौपदी 2 14वीं सदी के उस समय को पर्दे पर जीवंत करेगी, जिसे इतिहास में अंधकारमय और उथल-पुथल भरा माना जाता है। फिल्म में दक्षिण भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परतों को बड़े पर्दे पर पेश किया जाएगा, जिससे दर्शक इतिहास की गहराई को अनुभव कर सकें। फिल्म निर्माता पहले इसे 23 जनवरी 2026 को रिलीज़ करने पर विचार कर रहे थे, लेकिन अभी तक आधिकारिक तारीख घोषित नहीं हुई है। हालांकि, सेंसर सर्टिफिकेट मिलने के बाद इसे जल्द ही सिनेमाघरों में देखने की संभावना बढ़ गई है। इस ऐतिहासिक फिल्म के निर्माताओं और क्रू में सभी उत्साहित हैं और उन्होंने दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव देने की तैयारी पूरी कर ली है। द्रौपदी 2 का निर्माण चोला चक्रवर्ती ने नेटाजी प्रोडक्शन्स के बैनर तले किया है। फिल्म को लेकर इंडस्ट्री और दर्शकों में उत्साह का माहौल है, क्योंकि ऐतिहासिक फिल्में तमिल और तेलुगु सिनेमा में हमेशा दर्शकों का ध्यान खींचती रही हैं। इस फिल्म में वीरता, साहस, सामाजिक संघर्ष और संस्कृति को बड़े पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया गया है, जिससे दर्शक खुद को उस युग में महसूस कर सकें। फिल्म की रिलीज़ के साथ ही मोहन जी क्षत्रिय का मकसद केवल मनोरंजन करना नहीं है, बल्कि दर्शकों को इतिहास की अनछुई और महत्वपूर्ण घटनाओं से रूबरू कराना भी है।

निर्देशक-अभिनेता का तालमेल क्यों जरूरी: यामी गौतम

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म हक की सफलता का बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम जश्न मना रही हैं। यामी का मानना है कि निर्देशक और अभिनेता का तालमेल ही किसी फिल्म की सफलता की कुंजी होता है। एक्ट्रेस ने इसी बीच अपने थिएटर के दिनों के अनुभवों को याद किया। यामी ने एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि स्कूल में थिएटर सीखते समय उन्होंने एक डायलॉग इतने अजीब अंदाज में बोला कि वहां मौजूद सभी लोग हंस-हंसकर लोटपोट हो गए।

यामी ने बताया, जब मैं स्कूल में थिएटर सीख रही थी, तब वहां एक नया टीचर आया था। हमें अपनी लाइन अलग अंदाज में बोलनी थी। मुझे याद है मेरा डायलॉग था, चुप रहो, छोटे शैतान, वरना मैं तुम्हारा गला काट दूंगी, जिसे मैंने इतना अजीब तरीके से कहा कि सब हंस-हंसकर लोटपोट हो गए। उन्होंने आगे कहा कि टीचर ने मजाक में कहा, तुम तो किसी गली के आदमी की तरह बोल रही हो, जिस पर उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया कि कम से कम उनकी लाइनें याद तो हैं। यामी ने अभिनय और निर्देशक के बीच की रचनात्मक साझेदारी पर भी बात की। उन्होंने कहा, निर्देशक कहानी की दिशा तय करता है और अभिनेता उनके विजन को स्क्रीन पर उतारता है। एक ही किरदार को कई अलग-अलग तरीके से निभाया जा सकता है, लेकिन स्क्रीन पर जो दिखता है, वह हमेशा निर्देशक के विजन का हिस्सा होता है। उन्होंने आगे समझाया कि अभिनय केवल डायलॉग बोलने तक सीमित नहीं है। यह किरदार की भावनाओं, मानसिकता और कहानी की दिशा को समझने का तरीका है। जब निर्देशक सही दिशा दिखाते हैं, तो अभिनेता अपने अनुभव और प्रतिभा का इस्तेमाल कर कहानी को और प्रभावशाली बनाता है।

अनुष्का-विराट की परफेक्ट केमिस्ट्री छू रही फैंस के दिलों को

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने न्यू ईयर के मौके पर अपनी पहली नई तस्वीर शेयर की है। विराट ने कैप्शन में सिर्फ एक स्टार इमोजी डाल कर इस तस्वीर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। कपल की इस खास तस्वीर ने फैंस को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया है। तस्वीर में उनकी परफेक्ट केमिस्ट्री फैंस के दिलों को भी छू रही है। इस खूबसूरत तस्वीर में दोनों एक-दूसरे को गले लगाए हुए थे और कैमरे के लिए मुस्कुरा हुए पोज दे रहे हैं। नई तस्वीर में कपल की लुक की बात करें तो, विराट ने सफेद शर्ट के साथ नीले रंग का ब्लेजर और ट्राउजर पहना था। वहीं अनुष्का ब्लैक आउटफिट में बेहद खूबसूरत लगीं। उनके बाल खुले उनके लुक पर चार चांद लगा रहे हैं। आपको बता दें कि हाल हीम में दिसंबर महीने में विराट और अनुष्का दोनों नैनीताल गए थे। वहां उन्होंने अपने प्रिय गुरु प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। उनके आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उनके प्रवचन का एक वीडियो भी शेयर किया गया, जिसमें विराट और अनुष्का को देखा गया। अनुष्का के काम के बात करें तो, अनुष्का की आखिरी फिल्म जीरो थी। यह फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के बाद अनुष्का फिल्म चकदा एक्सप्रेस में देखने को मिलतीं। उन्होंने इसकी शूटिंग की थी लेकिन यह फिल्म फिलहाल टाल दी गई है। अब अनुष्का एक्टिंग की दुनिया से दूर अपनी फैमिली के साथ एक खुशनुमा लाइफ जी रही हैं। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली की जोड़ी हमेशा सुर्खियों में रहती है। दोनों अपनी प्यारी तस्वीरों और म्यूचुअल बॉन्डिंग के लिए फैंस के बीच कपल गोल्स के रूप में पहचाने जाते हैं।

प्रोडक्शन हाउस शुरू किया कृष पाठक और सारा खान ने

स्क्रिप्ट राइटर कृष पाठक और अभिनेत्री सारा खान दोनों अब सिर्फ लाइफ पार्टनर ही नहीं, बल्कि बिजनेस और क्रिएटिव पार्टनर भी बन चुके हैं। कपल ने मिलकर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है और फिलहाल कई रचनात्मक प्रोजेक्ट्स पर एक साथ काम कर रहे हैं। सारा और कृष इन दिनों एक फीचर फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, वहीं अलग-अलग जॉनर के चार गाने भी तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा दोनों देश के कई शहरों में लाइव शोज के जरिए परफॉर्म भी कर रहे हैं। सारा खान ने बताया कि उनका सबसे बड़ा और खास प्रोजेक्ट एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसकी शूटिंग फरवरी महीने से शुरू होने वाली है। यह फिल्म उनके खुद के प्रोडक्शन बैनर के तहत बनाई जाएगी, जिसमें कई कलाकार नजर आएंगे। खास बात यह है कि इस फिल्म में सारा और कृष दोनों ही अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। अपने अनुभव साझा करते हुए सारा ने कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि वह अपने पसंदीदा इंसान के साथ सबसे ज्यादा समय बिता पा रही हैं। हालांकि, काम के दौरान कभी-कभी मतभेद और नोंकझोंक भी होती है, लेकिन यही चीज रिश्ते को और मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि एक-दूसरे के काम करने के तरीके को करीब से देखना उनके लिए बेहद दिलचस्प है। सारा ने यह भी कहा कि प्रोडक्शन हाउस शुरू करने का फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि वे जीवनसाथी होने के साथ-साथ प्रोफेशनल पार्टनर के तौर पर भी एक-दूसरे को बेहतर समझते हैं। जहां सारा बजट-फ्रेंडली और क्रिएटिव कंटेंट को प्राथमिकता देती हैं, वहीं कृष बड़े स्केल पर सोचते हैं। इसके बावजूद म्यूजिक के मामले में दोनों की सोच पूरी तरह मेल खाती है।

नए साल में भी बढ़ता जा रहा धुरंधर का कलेक्शन

नए साल में बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह की धुरंधर फिल्म देखने वालों की संख्या फिर से बढ़ गई है और इस वजह से कलेक्शन भी पिछले दिनों से ज्यादा स्पीड से बढ़ता दिख रहा है। फिल्म ने पहले हफ्ते में 207.25 करोड़, दूसरे हफ्ते 253.25 करोड़ और तीसरे हफ्ते 172 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। चौथे हफ्ते के पहले दिन यानी 22वें दिन 15 करोड़ रुपये कमाने के बाद फिल्म ने 23वें दिन 20.5 और 24वें दिन 22.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। 25वें और 26वें दिन की कमाई 10.5 और 11.25 करोड़ हुई। 2025 के आखिरी दिन 31 दिसंबर को फिल्म की कमाई 11 करोड़ हुई।

यानी किसी भी दिन फिल्म का कलेक्शन दहाई के आंकड़ों से कम नहीं हुआ। अब आज फिल्म की कमाई 4:05 बजे तक 8.63 करोड़ रुपये हो चुकी है और टोटल कलेक्शन 731.88 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। 225 करोड़ के बजट में बनी ये फिल्म 27 दिनों में वर्ल्डवाइड 1117.90 करोड़ रुपये कमा चुकी है। बता दें कि ये बजट फिल्म के दोनों पार्ट्स का है। यानी एक ही फिल्म में पूरे बजट का कई गुना निकाल चुकी फिल्म अब दूसरी फिल्म से जो भी कमाएगी वो सिर्फ और सिर्फ प्रॉफिट में काउंट होगा। राम चरण और जूनियर एनटीआर की फिल्म ने सभी भाषाओं में मिलाकर इंडिया में 782.2 करोड़ रुपये की कमाई की थी और वर्ल्डवाइड 1230 करोड़ रुपये कमाए।

इसके दोनों रिकॉर्ड अब धुरंधर के सामने खतरे में हैं। ये रिकॉर्ड कभी भी टूट सकते हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना, संजय दत्त, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल और आर माधवन भी हैं। रणवीर सिंह लीड रोल में हैं और आदित्य धर के डायरेक्शन में उन्होंने धुरंधर को अपने करियर की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बना दिया है। बता दें कि धुरंधर शानदार 27 दिन बिताने के बाद आज न्यू ईयर 2026 में एंट्री कर चुकी है और आज 28वें दिन भी फिल्म का कलेक्शन ऐसा हो रहा है जैसे फिल्म आज ही रिलीज हुई हो।

अबू सलेम ने मांगी इमरजेंसी परोल

मुंबई (एजेंसी)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को बार-बार मिल रही परोल को लेकर मचे बवाल के बीच अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने भी इमरजेंसी परोल की मांग करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। राम रहीम रेप और हत्या के मामले में 20 साल की जेल और उम्रकैद की दोहरी सजा काट रहा है। उसे 8 साल में 15वीं बार परोल मिली है। वहीं अबू सलेम 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट और बिल्डर की हत्या का दोषी है। गैंगस्टर अबू सलेम ने अपने बड़े भाई की मौत के बाद परिवार से मिलने और अंतिम संस्कार की रस्में अदा करने के लिए इमरजेंसी परोल की मांग की है। उसने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) जाने की अनुमति मांगी गई है। सलेम के बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी का 14 नवंबर 2025 को निधन हो गया था। सलेम ने उन्हें पिता तुल्य बताया है। अबू सलेम ने अपने बड़े भाई की मौत के बाद इमरजेंसी परोल मांगी है, ताकि 40वें दिन की रस्में, कुरान ख्वानी, कब्रिस्तान पर दुआ और परिवार से मिल सके।

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष ने माफी मांगी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पूर्व सीएम विलासराव देशमुख पर अपनी टिप्पणी को लेकर उनके बेटों से माफी मांगी है। रवींद्र चव्हाण ने मंगलवार को कहा कि मेरी टिप्पणी राजनीतिक मकसद से नहीं थी।अगर इससे दिवंगत नेता के बेटे की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह उनसे माफी मांगते हैं। दरअसल, रवींद्र चव्हाण ने सोमवार को लातूर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि आपका (कार्यकर्ताओं का) उत्साह देखकर मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि विलासराव देशमुख की यादें इस शहर से मिट जाएंगी। विलासराव के बड़े बेटे और कांग्रेस नेता अमित देशमुख ने बयान की निंदा करते हुए कहा कि किसी बाहरी व्यक्ति के कहने से उनके पिता की यादें नहीं मिट सकतीं।

मणिपुर में 3 घंटे में दो आईईडी ब्लास्ट

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर सरकार ने बिष्णुपुर जिले में लगातार दो धमाकों की घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। सोमवार को हुए इन ब्लास्ट में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। ये धमाके स्थानीय स्तर पर बनाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किए गए थे। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और बिष्णुपुर जिले के पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए धमाके वाली जगहों का दौरा किया। घटना में शामिल दोषियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी रहा। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से इस घर का परिवार फिलहाल केइबुल लामजाओ के एक रिलीफ कैंप में रह रहा है। पहला धमाका होने के बाद जब गांव वाले मौके पर जमा हुए, तो करीब 200 मीटर दूर पर 8:45 बजे दूसरा ब्लास्ट हुआ। इस ब्लास्ट में दो लोग घायल हो गए।

कोर्ट-ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में मंगलवार को अलग-अलग जगहों पर बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। गुजरात की छह कोर्ट, उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को धमकी दी गई। सभी मामलों में पुलिस और बम स्क्वॉड ने मौके पर जांच की, लेकिन किसी भी कोर्ट या ट्रेन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, केरल के कन्नूर जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 12 देसी विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। सभी मामलों की जांच की जा रही है। गुजरात में हाईकोर्ट और 5 लोकल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली। सूरत की कोर्ट के ऑफिशियल ईमेल पर सोमवार रात 2 बजे धमकी भरा ईमेल आया था। सुबह जब कर्मचारियों ने ईमेल चेक किया तो पुलिस को सूचना दी। आणंद, राजकोट, अहमदाबाद और भरूच के सेशन कोर्ट को इसी तरह का ईमेल मिला। हालांकि, बम स्क्वॉड की जांच में कोर्ट से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह धमकी एलटीटीई (लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम) के नाम से दी गई है।

मानहानि मामले में नोटिस जारी होने पर बोले प्रियांक खरगे

-देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा है आरएसएस

बंगलूरू (एजेंसी)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को आरएसएस को देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा बताया। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ दायर कानूनी मामले संगठन के बारे में उनकी ओर से उठाए गए सवालों की प्रतिक्रिया हैं। प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अखबार का लेख साझा किया, जिसमें बताया गया था कि एक आरएसएस सदस्य की ओर से दायर मानहानि की शिकायत के मामले में एक विशेष अदालत ने उन्हें और राज्य के साथी मंत्री दिनेश गुंडू राव को नोटिस जारी किया है। अपने पोस्ट में खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि संगठन अपने स्वयंसेवकों के चंदे से चलता है। इस दावे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने कहा कि कुछ चुनिंदा लोगों का समूह अपने कठपुतलियों का इस्तेमाल करके हमारे खिलाफ मामले दर्ज करवा रहा है, सिर्फ इसलिए कि हम आरएसएस पर जायज सवाल उठा रहे हैं। आरएसएस राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस अपने स्वयंसेवकों के दिए गए दान से चलता है। हालांकि, इस दावे के संबंध में कई जायज सवाल उठते हैं- ये स्वयंसेवक कौन हैं और इनकी पहचान कैसे होती है? दिए गए दान का पैमाना और स्वरूप क्या है? ये दान किन तरीकों या माध्यमों से प्राप्त होते हैं?

सुल्तानपुर कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में जिरह पूरी, अगली सुनवाई 19 जनवरी तय

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध चल रहे मुकदमे में मंगलवार को निर्धारित सुनवाई हुई। अदालत में परिवादी पक्ष के गवाह रामचंद्र दूबे से बचाव पक्ष द्वारा जिरह पूरी कर ली गई। परिवादी भाजपा नेता एवं कोआपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि परिवादी के गवाह से जिरह पूर्ण हो चुकी है। इसके बाद न्यायालय ने राहुल गांधी का बयान दर्ज करने के लिए 19 जनवरी की तिथि नियत की है।

असम में प्रियंका गांधी वाड्रा को कमान देना... सीएम सरमा के लिए एक बड़ी चुनौती मान रही कांग्रेस

सरमा के प्रभाव वाले कांग्रेसियों का असर होगा बेअसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि असम में एक निष्क्रिय आंतरिक नेटवर्क, इस पार्टी संभावित स्लीपर सेल कहती है, वे अभी भी सक्रिय है। वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, जो कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए, अमस में कांग्रेस ढांचे के भीतर कुछ व्यक्तियों पर अपना प्रभाव बनाए हुए हैं। कांग्रेस पार्टी को उम्मीद है कि प्रियंका गांधी वाड्रा की अधिक सक्रिय भागीदारी इस प्रभाव को बेअसर करने में मददगार साबित होगी।

बीते असम विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे काफी सक्रिय रहीं, हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान वे सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आईं। तब कांग्रेस नेता भूपेश बघेल राज्य के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में कार्यरत थे। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का मानना ??है कि प्रियंका का सशक्त नेतृत्व, रणनीतिक स्पष्टता और कार्यकर्ताओं से जुड़ने की क्षमता संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने और शर्मा के जाने के बाद बचे किसी भी अप्रत्यक्ष प्रभाव का मुकाबला करने में सहायक हो सकती है।

पार्टी का असम पर दुबारा ध्यान केंद्रित करना स्पष्ट राजनीतिक गणनाओं से प्रेरित है। पश्चिम बंगाल, जहाँ कांग्रेस का कोई मजबूत संगठनात्मक आधार नहीं है, या तमिलनाडु, जहाँ वह एक कनिष्ठ सहयोगी बनी हुई है, के विपरीत, पार्टी नेताओं के अनुसार, असम कांग्रेस को वापसी का मौका देता है। प्रियंका गांधी केरल में संगठनात्मक जिम्मेदारी भी नहीं ले सकतीं, क्योंकि आंतरिक नियमों के अनुसार नेता उन राज्यों में पद धारण नहीं कर सकते जहाँ से वे सांसद हैं, क्योंकि इससे निहित स्वार्थों की आशंका पैदा हो सकती है। इन सीमाओं को देखते हुए, असम प्रियंका गांधी के लिए कमान संभालने और राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने के लिए सबसे आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभरा है।

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि प्रियंका की उपस्थिति से पार्टी को एक मजबूत छवि बनाने, लगातार सुर्खियों में बने रहने और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में मदद मिलेगी। उनकी भागीदारी से असम में सत्ता पुनः प्राप्त करने के प्रति पार्टी की गंभीरता का संकेत मिलेगा और गठबंधन सहयोगियों को भी गति मिलेगी। पिछले विधानसभा चुनावों में, महाजोत गठबंधन को 43.68 प्रतिशत वोट मिले, जबकि एनडीए को 44.51 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। एनडीए ने 75 सीटें जीतीं, जबकि महाजोत को 50 सीटें मिलीं।

सोनिया गांधी फिर अस्पताल में भर्ती, चेस्ट फिजिशियन की देखरेख में रखा

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को फिर दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक सोनिया गांधी की हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रही हैं। उन्हें चेस्ट फिजिशियन की देखरेख में रखा गया है। डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें नियमित जांच और निगरानी के लिए ऑब्जर्वेशन में रखा गया है और चिंता की कोई बात नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल के सूत्र ने बताया कि नियमित जांच के तहत उन्हें भर्ती कराया गया है। सोनिया गांधी को खांसी की समस्या है और वह समय-समय पर, खासकर शहर में प्रदूषण के कारण जांच के लिए आती रहती हैं। सोनिया गांधी ने दिसंबर 2025 में ही अपना 79वां जन्मदिन मनाया था। सोनिया गांधी को हाल के सालों में स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। कुछ महीने पहले, उन्हें पेट की समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फरवरी में उन्हें एक दिन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था, इस दौरान वह गैस्ट्रोएंटरोलॉजी स्पेशलिस्ट की देखरेख में रही थीं। इससे पहले 19 जून को सोनिया गांधी को पेट की बीमारी के इलाज के बाद दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। 79 साल की सीनियर नेता को 15 जून को पेट में इन्फेक्शन से जुड़ी शिकायतों के बाद भर्ती कराया गया था। 7 जून को भी कांग्रेस नेता हिमाचल प्रदेश के शिमला में इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल गई थीं, उन्हें कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्याओं के कारण रूटीन हेल्थ चेक-अप के लिए लाया गया था, यह जानकारी हिमाचल प्रदेश के सीएम के प्रिंसिपल एडवाइजर ने दी थी। सितंबर 2022 में सोनिया गांधी मेडिकल चेक-अप के लिए यूनाइटेड स्टेट्स गई थीं, यह दौरा कोविड-19 महामारी के कारण टाल दिया गया था। उस यात्रा के दौरान उनके साथ उनके बेटे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी थे।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरे ने बढ़ाई आफत, विमान सेवाएं प्रभावित, इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में एक-दो दिनों की मामूली राहत के बाद मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। संपूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) मंगलवार सुबह से ही घने कोहरे और स्मॉग की एक सफेद मोटी चादर में लिपटा नजर आ रहा है। इस भीषण धुंध के कारण न केवल सड़कों पर रफ्तार धीमी हुई है, बल्कि विमान सेवाओं पर भी इसका व्यापक असर पड़ा है। कम दृश्यता (विजिबिलिटी) के चलते दर्जनों उड़ानें अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं, जबकि कई फ्लाइट्स को ऐन वक्त पर रद्द करना पड़ा है। कोहरे की मार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में विजिबिलिटी शून्य के करीब पहुंच गई है। दिल्ली के साथ-साथ मुंबई और गुवाहाटी जैसे प्रमुख शहरों से आने-जाने वाली विमानन सेवाएं भी इस मौसमी बदलाव की चपेट में हैं। खराब मौसम के कारण हवाई अड्डे पर विमानों के परिचालन में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे हजारों यात्री टर्मिनल पर फंसे हुए हैं। बिगड़ते हालात को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना साझा की है। प्रशासन के अनुसार, एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन कैट-3 सिस्टम के तहत संचालित किए जा रहे हैं। हालांकि अराइवल और डिपार्चर की प्रक्रिया जारी है, लेकिन कम विजिबिलिटी के कारण उड़ानों में देरी या अचानक बदलाव की पूरी संभावना बनी हुई है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइंस के माध्यम से उड़ान की ताजा स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। निजी एयरलाइंस कंपनियों ने भी अपने यात्रियों को अलर्ट करना शुरू कर दिया है। इंडिगो और स्पाइसजेट सहित अन्य विमानन कंपनियों ने एडवाइजरी जारी कर यात्रियों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करें। एयरलाइंस का कहना है कि वे यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तर भारत में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड का यह दौर अभी कुछ दिनों तक जारी रह सकता है।

कर्नाटक सरकार में नेतृत्व संकट पर सस्पेंस बरकरार, सिद्धरमैया चाहते हैं मंत्रिमंडल विस्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में लंबे समय से चला आ रहा नेतृत्व विवाद 2026 की शुरुआत में भी पूरी तरह समाप्त होता नहीं दिख रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के 15 जनवरी के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जाकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करने की संभावना है। इस प्रस्तावित बैठक को लेकर राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सिद्धारमैया मंत्रिमंडल विस्तार के प्रस्ताव पर आलाकमान की मुहर चाहते हैं ताकि वो ही पांच साल सीएम रहेंगे इसकी मैसेजिंग साफ हो जाए जबकि उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार इस बात पर अड़े हैं कि ढाई ढाई साल सीएम के कथित फार्मूले पर आलाकमान पहले अंतिम फैसला करे। विदित हो सिद्धारमैया के बतौर मुख्यमंत्री ढाई साल पूरा होने के बाद से ही उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दिल्ली पर लगातार दबाव बनाया हुआ है इससे कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में सबकुछ ठीक चल रहा, ऐसा नहीं कहा जा सकता।

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में होने वाली बातचीत में मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा हो सकती है, वहीं नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा भी उठने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, कांग्रेस की ओर से अब तक किसी औपचारिक एजेंडे की घोषणा नहीं की गई है।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मंत्रिमंडल में बदलाव के पक्ष में हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार चाहते हैं कि पहले पार्टी नेतृत्व के सवाल पर स्पष्ट निर्णय लिया जाए। इसी मतभेद ने पार्टी के भीतर बहस को और तेज कर दिया है। बीते कुछ महीनों में जो चर्चा केवल अंदरूनी बैठकों तक सीमित थी, वह अब सार्वजनिक मंचों पर भी दिखने लगी है। राज्य के कई हिस्सों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर नेतृत्व पर स्पष्टता की मांग की है। इन प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने डीके शिवकुमार के समर्थन में नारे लगाए और उन्हें मजबूत संगठनकर्ता तथा जमीनी नेता बताया। पार्टी के अंदर यह धारणा भी मजबूत हो रही है कि डीके शिवकुमार को संगठन और कैडर के बीच व्यापक समर्थन प्राप्त है। वहीं, कई वरिष्ठ नेताओं ने यह भी कहा है कि वे केंद्रीय नेतृत्व के किसी भी फैसले का समर्थन करेंगे और अंतिम निर्णय हाईकमान का ही होगा।

सार्वजनिक तौर पर सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों ही एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। दोनों नेताओं ने कहा है कि पार्टी जो भी फैसला करेगी, वे उसे स्वीकार करेंगे। संयुक्त कार्यक्रमों और बैठकों के जरिए स्थिरता का संदेश देने की कोशिश भी की जा रही है।इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आश्वासन दिया है कि इस मुद्दे पर बातचीत कर समाधान निकाला जाएगा, लेकिन मध्य जनवरी से पहले किसी बड़े फैसले की संभावना कम बताई जा रही है। हाल ही में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में भी कुछ नेताओं ने नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा उठाया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में होने वाली आगामी बैठकें बेहद अहम होंगी। यदि केंद्रीय नेतृत्व स्पष्ट दिशा देता है तो कर्नाटक कांग्रेस फिर से शासन और विकास के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी, जो पार्टी की 2026 की व्यापक राजनीतिक रणनीति के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल, कर्नाटक कांग्रेस में दोनों खेमे हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और पूरे राज्य की निगाहें दिल्ली पर टिकी हुई है।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में 80 नए चेहरों को टिकट देने के बयान मची हलचल

- राजा वड़िंग के बयान के बाद पार्टी के युवा नेता खुलकर समर्थन में आए

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी के बीच प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने बड़ा राजनीतिक दांव चलते हुए पार्टी में नई बहस छेड़ दी है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर 80 नए चेहरों को टिकट देने के उनके बयान ने जहां युवा और महिला नेताओं में नई उम्मीद जगाई है, वहीं पार्टी के कई दिग्गज नेताओं की बेचैनी बढ़ा दी है। राजा वड़िंग के बयान के बाद पार्टी के युवा नेता खुलकर उनके समर्थन में सामने आ गए हैं। युवाओं का मानना है कि कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। सोशल मीडिया पर भी राजा वड़िंग के समर्थन में लगातार पोस्ट सामने आ रही हैं, जहां इस पहल को राहुल गांधी की सोच से जोड़कर देखा जा रहा है।

पंजाब यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहित मोहिंद्रा ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा युवाओं को राजनीति में अवसर देने की बात करते रहे हैं और अब राजा वड़िंग ने उसी सोच को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि कई युवा इस वजह से राजनीति से दूरी बनाए हुए थे कि उन्हें कभी मौका नहीं मिलेगा, लेकिन इस तरह के फैसलों से युवाओं का भरोसा बढ़ेगा। मोहिंद्रा ने कहा कि जब युवा राजनीति में आएंगे और उन्हें विधायक बनने का अवसर मिलेगा, तो पंजाब की राजनीति नए विचारों और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगी।

पंजाब महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गुरशरण कौर रंधावा ने कहा कि पार्टी में कई पढ़ी-लिखी और मेहनती महिलाएं हैं, जिन्हें अब तक पर्याप्त अवसर नहीं मिला है। राजा वड़िंग के बयान से महिलाओं में भी उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं योग्य होंगी, उनके लिए महिला कांग्रेस टिकट की मांग करेगी।

राजा वड़िंग के बयान के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं में असंतोष देखा जा रहा है। पार्टी के भीतर यह चर्चा तेज है कि कहीं यह बयान राहुल गांधी के इशारे पर तो नहीं दिया गया। हालांकि कई सीनियर नेता इस फैसले से सहमत नहीं हैं। पंजाब विधानसभा की कुल 117 सीटों में से यदि 80 सीटें नए चेहरों को दी जाती हैं, तो पुराने नेताओं के लिए केवल 37 सीटें ही बचेंगी। इनमें कांग्रेस के 15 मौजूदा विधायक शामिल हैं। इसके अलावा सांसद राजा वड़िंग, चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा भी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। कुल मिलाकर, राजा वड़िंग का यह बयान पंजाब कांग्रेस में नई सियासी हलचल का कारण बन गया है, जिसका असर आने वाले दिनों में पार्टी की अंदरूनी राजनीति पर साफ नजर आ सकता है।

एसआईआर को लेकर सीएम ममता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट में खुद करेंगी पैरवी!

बोलीं-प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और मनमानी से कई लोगों की हो चुकी है मौत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य में एसआईआर के कारण लोगों को हो रही परेशानी के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकती हैं, क्योंकि उन्होंने विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग के साथ अपना टकराव और तेज कर दिया है। ममता ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम कानूनी सहायता ले रहे हैं। बहुत से लोग मारे गए हैं। लोगों को परेशान किया जा रहा है। कल जब अदालतें खुलेंगी, तो हम इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। जरूरत पड़ने पर मैं सुप्रीम कोर्ट में खुद पैरवी करने की अनुमति मांगूंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी के कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हम एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करेंगे। यदि अनुमति मिली तो मैं भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर एक आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं एक प्रशिक्षित वकील भी हूं। हालांकि, बनर्जी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि याचिका वह दायर करेंगी।

ममता ने आरोप लगाया कि बिना वैध कारणों के मतदाता सूची से नामों को मनमाने ढंग से हटाया जा रहा है, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया डर पैदा करने वाली प्रक्रिया बन गई है। उन्होंने दावा किया कि गंभीर रोग से ग्रसित लोगों और बुजुर्गों को यह साबित करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर किया जा रहा कि वे वैध मतदाता हैं। सीएम ने सवाल किया कि अगर कोई बीजेपी नेताओं के बूढ़े माता-पिता को पहचान साबित करने के लिए लाइन में खड़ा कर दे तो उन्हें कैसा लगेगा? जब से एसआईआर शुरू हुआ है, डर से कई लोगों की मौत हो चुकी है। बनर्जी ने बीजेपी शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया।

भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा मजबूत: 75 प्रतिशत हिस्से में लगी नई डिजाइन वाली अभेद्य बाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में व्याप्त अस्थिरता और सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को चरम स्तर पर पहुंचा दिया गया है। विशेष रूप से सामरिक रूप से अत्यंत संवेदनशील चिकन नेक यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए सीमा सुरक्षा बल ने बड़े पैमाने पर कदम उठाए हैं। इस रणनीतिक गलियारे के लगभग 75 प्रतिशत इलाके में अब नई डिजाइन की सीमा बाड़ स्थापित कर दी गई है, जो घुसपैठ और तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

करीब 12 फीट ऊंची यह विशेष बाड़ तकनीक और मजबूती का बेजोड़ संगम है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसे काटना या पार करना लगभग नामुमकिन है। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, पुरानी बाड़ के मुकाबले इसे क्षति पहुँचाने में कई मिनटों का समय लगता है, जिससे सुरक्षा बलों को त्वरित प्रतिक्रिया देने का पर्याप्त समय मिल जाता है। चिकन नेक क्षेत्र भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संकरा गलियारा शेष भारत को उत्तर-पूर्वी राज्यों से जोड़ता है। इसकी सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक पूरे पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी को प्रभावित कर सकती है, यही कारण है कि यहाँ तकनीक और मानव संसाधन दोनों का समन्वय कर एक स्मार्ट बॉर्डर विकसित की जा रही है।

फिजिकल फेंसिंग के अलावा, सीमा की निगरानी के लिए अत्याधुनिक पैन-टिल्ट-जूम कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे दिन और रात के समय रीयल-टाइम लाइव फीड प्रदान करते हैं, जिससे नियंत्रण कक्ष में बैठे अधिकारी हर छोटी हलचल पर नजर रख पाते हैं। साथ ही, एरिया डोमिनेशन प्लान के तहत सुरक्षा बलों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब सुरक्षा दल न केवल सीमा रेखा पर तैनात रहते हैं, बल्कि तस्करी की कड़ियों को तोड़ने के लिए भारतीय क्षेत्र के भीतर कई किलोमीटर तक छापेमारी कर रहे हैं। विशेष रूप से मवेशी तस्करी के उन अड्डों को निशाना बनाया जा रहा है, जहाँ सीमा पार ले जाने से पहले सामान इकट्ठा किया जाता है।

सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। सुरक्षा बल अब संदिग्ध तस्करों और बिचौलियों के परिवारों के पास जाकर उन्हें अवैध गतिविधियों के कानूनी और सामाजिक परिणामों के बारे में शिक्षित कर रहे हैं। इस जन-भागीदारी और विश्वास-निर्माण के उपायों का परिणाम यह हुआ है कि पिछले एक वर्ष में मवेशी और मानव तस्करी की घटनाओं में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उन बांग्लादेशी नागरिकों को, जो अनजाने में सीमा पार कर आए थे, पूरी जांच और फिंगरप्रिंट रिकॉर्डिंग के बाद फ्लैग मीटिंग के जरिए वापस उनके देश के सीमा प्रहरियों को सौंपा गया है।

आंकड़ों की बात करें तो जनवरी 2025 से अब तक सीमा पर चलाए गए अभियानों में लगभग 8.5 करोड़ रुपये मूल्य के मवेशी, सोना, चांदी, वन्यजीव उत्पाद

और हथियार जब्त किए गए हैं। इस अवधि में कुल 440 बांग्लादेशी और 152 भारतीय नागरिकों सहित कई अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों का स्पष्ट संदेश है कि आने वाले समय में बाड़ के दायरे को शत-प्रतिशत तक ले जाया जाएगा और तकनीकी निगरानी को और अधिक सशक्त किया जाएगा, ताकि देश की इस लाइफलाइन की सुरक्षा में कोई सेंध न लगा सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com